मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 323
मंगलवार, 17 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

यूपी में बिजली गिरने से 25 लोगों की मौत

लखनऊ, 16 जून। पिछले 48 घंटों में उत्तर प्रदेश के 14 जिलों में तेज आंधी-तूफान के साथ बिजली गिरने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें से कई लोग अपने दैनिक कामों के दौरान बाहर फंसे हुए थे। बिजली गिरने से होने वाली मौतों की सूचना ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से मिली, जहां कमजोर आबादी खेती, आवागमन या घरेलू कामों में लगी हुई थी। अधिकारियों ने अभी तक जिलेवार विस्तृत जानकारी जारी नहीं की है, लेकिन सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में प्रयागराज, कौशांबी, फतेहपुर और रायबरेली शामिल हैं।

गोंडा जिले में सोमवार को अलग-अलग जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बताया कि सदर तहसील क्षेत्र के दत्तनगर बिसेन निवासी कुणाल शर्मा (20) आज सुबह जब घर के पास हैंडपंप से पानी लेने गया था तो आकाशीय बिजली की चपेट में आने से वह झुलस गया।

परिजन उसे तुरंत गोंडा मेडिकल कॉलेज ले गए जहां चिकित्सकों ने कुणाल को मृत घोषित कर दिया। शर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम में आकाशीय बिजली गिरने के कारण मौत की पुष्टि हुई है। जिलाधिकारी ने बताया कि एक अन्य घटना में ग्राम काजीदेवर में आकाशीय बिजली गिरने के कारण रामदेव यादव (46) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सरकार के

निदेर्शानुसार दोनों मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों की दुखद मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है और अधिकारियों को निर्देश दिया है कि:मृतकों के परिवारों को तत्काल वित्तीय मुआवजा प्रदान करें नुकसान का विस्तृत सर्वेक्षण करें यह सुनिश्चित करें कि घायल पीड़ितों को उचित चिकित्सा सुविधा मिले

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को संबंधित अधिकारियों को तूफान, बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित जिलों में राहत कार्य तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने मृतकों के परिजनों और अन्य नुकसान झेलने वालों को आर्थिक सहायता देने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घायलों का समुचित उपचार किया जाए। योगी ने कहा कि अधिकारी फसलों के नुकसान का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण करें और रिपोर्ट शासन को भेजें, ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके। जिसमें नागरिकों से आग्रह किया गया है कि: तूफान के दौरान खुले मैदानों में न जाएँ। एकांत में स्थित पेड़ों या जल निकायों से दूर रहें। मौसम विभाग द्वारा जारी आधिकारिक अलर्ट पर नजर रखें निवासियों से आग्रह किया जाता है कि वे बिजली गिरने की गतिविधि के दौरान घर के अंदर रहें और सरकार द्वारा जारी सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें।

सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत, एक घायल

छत्तीसगढ़, 16 जून। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में तेज रफ्तार कार की टक्कर से दो मोटरसाइकिल सवार चार लोगों की मौत हो गई तथा कार चालक घायल हो गया। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के पेंड्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत मझगवां गांव के करीब एक कार की टक्कर से दो मोटरसाइकिल में सवार चार लोग गंगाराम गंधर्व (25), रामावतार गोंड (30), भूपेंद्र गोंड (28) और महिला शानू केंवट (22) की मौत हो गई तथा कार चालक स्नेहिल गुप्ता घायल हो गया।

अधिकारियों ने बताया कि रविवार रात को गंगाराम, रामावतार, भूपेंद्र और शानू, गंगाराम का जन्मदिन मनाने करीब के गांव गए थे। जब वे दो मोटरसाइकिल में सवार होकर

पेंड्रा की ओर लौट रहे थे तब मझगांव के करीब तेज रफ्तार कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया और एक पेड़ से जा टकराई।

उन्होंने बताया कि इस घटना में गंगाराम, रामावतार और भूपेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई तथा शानू और कार चालक स्नेहिल घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि जानकारी मिलने पर घटनास्थल के लिए पुलिस दल रवाना किया गया। बाद में पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा। उन्होंने बताया कि अस्पताल में इलाज के दौरान शानू ने भी दम तोड़ दिया।

वहीं घायल स्नेहिल का इलाज किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि कार चालक स्नेहिल नशे में वाहन चला रहा था इसलिए यह घटना हुई। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

बीमार फोटो जर्नलिस्ट की मदद को आगे आए अध्यक्ष अरुण मिश्र

वाराणसी। काशी पत्रकार संघ के अध्यक्ष अरुण मिश्र ने एक बार फिर संवेदनशीलता और सक्रिय नेतृत्व का उदाहरण पेश किया है। किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रहे एक वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट की सहायता के लिए उन्होंने न केवल व्यक्तिगत स्तर पर पहल की, बल्कि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से आर्थिक सहायता दिलाने के लिए तमाम जरूरी प्रक्रियाएं भी पूरी कराईं।

बता दें, संबंधित फोटोजर्नलिस्ट लंबे समय से किडनी की बीमारी से पीड़ित हैं और इलाज में भारी आर्थिक खर्च आ रहा था। परिवार की स्थिति कठिन थी और उपचार बाधित होने की आशंका बन रही थी। इस विकट परिस्थिति में अरुण मिश्र ने व्यक्तिगत संवेदनशीलता और

संगठनात्मक सक्रियता का परिचय देते हुए संबंधित विभागों से पत्राचार किया, दस्तावेज तैयार कराए और उच्चस्तरीय संस्तुतियों के माध्यम से मुख्यमंत्री कार्यालय तक मामला पहुँचाया। उनकी सतत कोशिशों और मानवीय प्रयासों का ही परिणाम रहा कि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से आर्थिक सहायता स्वीकृत हुई, जिससे फोटोजर्नलिस्ट को राहत की बड़ी संजीवनी मिली।

पत्रकारिता जगत के लिए यह केवल एक आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि आत्मीयता, संगठन की शक्ति और मानवीय मूल्यों की जीत है।

पत्रकार संगठनों की भूमिका केवल पेशेवर हितों तक सीमित न रहकर सामाजिक और व्यक्तिगत संकटों में भी सहायक बन सकती है—यह उदाहरण उसी दिशा में प्रेरणादायक संकेत देता है। पत्रकारिता जगत में अरुण मिश्र की यह पहल एक सकारात्मक संदेश है कि जब नेतृत्व संवेदनशील हो, तो संगठन सहयोग का पर्याय बन जाता है।

सीएम योगी ने वाराणसी में 45.47 करोड़ की दो परियोजनाओं का किया स्थलीय निरीक्षण

सुरेश गांधी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान जिले में चल रहे महत्वपूर्ण विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। मोहनसराय से कैंट तक 11.80 किमी लंबे सड़क चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य और मोहनसराय-अदलपुरा मार्ग पर 649.44 मीटर लंबे रेल उपरिगामी सेतु निर्माण को मुख्यमंत्री ने अहम बताते हुए अगस्त माह तक हर हाल में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

लगभग 412.53 करोड़ की लागत से मोहनसराय-दीनदयाल उपाध्याय नगर से कैंट तक सड़क चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य में अब तक 89% काम पूरा हो चुका है। इस परियोजना के तहत मुख्य सड़क के दोनों ओर सर्विस लेन, 6 लेन चौड़ी सड़क, यूटिलिटी डक्ट, चौराहा विस्तारीकरण, स्ट्रीट लाइट, फुटपाथ और रोड सेफ्टी के तत्वों को शामिल किया गया है। सीएम योगी ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी श्रावण मास से पहले यह परियोजना पूरी हो जाए जिससे श्रद्धालुओं और आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

रेल उपरिगामी सेतु: डेढ़ लाख आबादी को मिलेगा लाभमोहनसराय-अदलपुरा मार्ग पर 42.22 करोड़ की लागत से बन रहा 649.44 मीटर लंबा और 7.50 मीटर चौड़ा दो लेन वाला रेल ओवरब्रिज लगभग पूर्णता की ओर है। यह सेतु

हरदत्तपुर-राजातालाब रेलखंड पर स्थित है जहां गाड़ियों की अधिक आवाजाही के चलते रेल फाटक प्रायः बंद रहता है। इस ब्रिज के बन जाने से 26 ग्रामों की करीब 1.5 लाख जनसंख्या को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा और प्रतिदिन 5 से 6 हजार वाहनों की आवाजाही सुगम होगी।

यातायात होगा सुगम, समय व ईंधन की बचतइस मार्ग पर बन रहे रेल ओवरब्रिज से खासतौर पर गिट्टी व बालू ट्रकों का संचालन भी आसान होगा, जिससे वाराणसी, भदोही, बाबतपुर सहित कई क्षेत्रों में माल की निर्बाध आपूर्ति संभव होगी। साथ ही आम जनता को अस्पताल, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और एयरपोर्ट तक सुगम यातायात की सुविधा प्राप्त होगी।

काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा और ऑडियो गाइड सेवा का शुभारंभ निरीक्षण के पश्चात मुख्यमंत्री ने बाबा कालभैरव और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर में ऑडियो गाइड सेवा का भी शुभारंभ किया, जिससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान ऐतिहासिक और धार्मिक जानकारी सहजता से प्राप्त हो सकेगी।

मनरेगा का खर्च रोकने की कोशिश कर रही केंद्र सरकार: मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, 16 जून। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार मनरेगा को नष्ट करने की कोशिश कर रही है और इस योजना के कार्यान्वयन में कटौती करना संविधान के खिलाफ अपराध है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार गरीबों की जीवन-रेखा मनरेगा को तड़पा-तड़पा कर खत्म करने की कवायद में जुटी है। मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60% तय कर दी है। मनरेगा जो संविधान के तहत काम का अधिकार का कानूनी अधिकार सुनिश्चित करती है, उसमें कटौती करना संविधान के खिलाफ अपराध है।

खड़गे ने सवाल करते हुए कहा कि क्या ऐसा मोदी सरकार केवल इसलिए कर रही है क्योंकि

वो गरीबों की जेब से करीब 25,000 करोड़ छीनना चाहती है, जो कि हर साल, साल के अंत तक, demand ज्यादा होने पर उसे अगले वित्तीय वर्ष में अलग से खर्च करने पड़ते हैं? उन्होंने दूसरा सवाल किया कि चूंकि मनरेगा एक demand-driven योजना है, इसलिए यदि आपदाओं या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में पहली छमाही के दौरान मांग में demand की वृद्धि होती है, तो क्या होगा? क्या ऐसी सीमा लागू करने से उन गरीबों को नुकसान नहीं होगा जो अपनी आजीविका के लिए मनरेगा पर निर्भर हैं?कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सीमा पार हो जाने पर क्या होगा? क्या राज्य demand के बावजूद रोजगार देने से इनकार करने के लिए मजबूर होंगे, या श्रमिकों को समय पर भुगतान के बिना काम करना होगा? क्या ये सच नहीं कि एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, केवल 7% परिवारों को वादा किए गए 100 दिन का काम मिल पाया है? (लिब टेक, 21 मई तक) करीब 7 करोड़ पंजीकृत वर्करों को मनरेगा से AADHAAR Based Payment की शर्त लगा बाहर क्यों किया गया? उन्होंने आगे पूछा कि 10 सालों में मनरेगा बजट का पूरे बजट के हिस्से में सब से कम आवंटन क्यों किया गया? गरीब विरोधी मोदी सरकार, मनरेगा मजदूरों पर जुल्म ढाने पर क्यों उतारू है?खड़गे ने कहा कि मनरेगा पर खर्च रोकने की कुल्हाड़ी, हर गरीब के जीवन पर मोदी सरकार द्वारा किया गया गहरा आघात है ! कांग्रेस पार्टी इसका घोर विरोध करेगी। हम अपनी दो माँगों पर कायम हैं – पहली, मनरेगा श्रमिकों के लिए रोजाना 400 की न्यूनतम मजदूरी तय की जाए।

पूर्व सीएम विजय रूपाणी का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार, दी गई 21 तोपों की सलामी

गुजरात। गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी को 21 तोपों की सलामी दी गई। पूर्व सीएम का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत भी मौजूद रहे। अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की मौत हो गई, जिससे राजनीतिक बिरादरी सदमे में है। गुजरात की राजनीति के दिग्गज विजय रूपाणी ने 1987 में राजकोट नगर निगम में पार्षद के रूप में अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की थी। साधारण शुरूआत से, वे लगातार आगे बढ़ते गए - राजकोट

के मेयर, राज्यसभा सांसद, गुजरात भाजपा के अध्यक्ष, कैबिनेट मंत्री और अंततः 2016 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने राजकोट में पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के अंतिम संस्कार से पहले उन्हें श्रद्धांजलि दी।

दिल्ली में बुलडोजर एक्शन को लेकर भड़के केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के अशोक विहार इलाके में एक बड़ा ध्वस्तीकरण अभियान चल रहा है, जिसमें खास तौर पर जेलरवाला बाग इलाके में अवैध झुग्गियों को निशाना बनाया जा रहा है। अधिकारियों ने प्रतिरोध की आशंका में भारी पुलिस बल तैनात किया है और बैरिकेड्स लगा दिए हैं। चल रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत आज 200 से ज्यादा अवैध झुग्गियों को ध्वस्त किया जाना है। यह कार्रवाई अदालत के आदेश के तहत की जा रही है और अधिकारी इस बात पर जोर देते हैं कि पहले भी यहाँ इसी तरह के अभियान चलाए जा चुके हैं।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करे: 9199355950

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist
STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाना होगा

विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस -17 जून 2025

-ललित गर्ग

मानव एवं जीव-जंतुओं का जीवन भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, भूमि का दोहन, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। ह्यहमारी भूमिह्न नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण आज की जलवायु समस्याओं का सटीक समाधान हो सकता है, इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण दिवस 17 जून को मनाया जाता है। यह दिन मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के लिए जागरूकता बढ़ाने और लोगों को एकजुट करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है ह्यभूमि के लिए एकजुट। हमारी विरासत। हमारा भविष्यह्न है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह दिवस पर भूमि के महत्व और इसे भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। कोलंबिया गणराज्य इस वर्ष 17 जून को मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस के वैश्विक आयोजन की मेजबानी करेगा, जो प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से भूमि क्षरण को संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बोगोटा में आयोजित यह कार्यक्रम स्थिरता, शांति और समावेशी विकास के उत्प्रेरक के रूप में भूमि बहाली एवं सूखा निवारण की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालेगा, साथ ही भोजन, पानी, रोजगार और सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्वस्थ भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देगा।

स्वस्थ भूमि संपन्न अर्थव्यवस्थाओं का आधार है, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का आधा से अधिक हिस्सा प्रकृति पर निर्भर है। फिर भी हम इस प्राकृतिक पूंजी को खतरनाक दर से नष्ट कर रहे हैं- हर मिनट, भूमि क्षरण के कारण चार फुटबॉल मैदानों के बराबर भूमि नष्ट हो जाती है। इससे जैव विविधता का नुकसान होता है, सूखे का खतरा बढ़ता है और समुदाय विस्थापित होते हैं। इसके प्रभाव वैश्विक हैं-खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों से लेकर अस्थिरता और पलायन तक। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा हमारे समय की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से हैं तथा विश्वभर में 40 प्रतिशत भूमि क्षेत्र पहले से ही क्षरित माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र के पारिस्थितिकी तंत्र बहाली दशक 2021-2030 के आधे पड़ाव पर पहुंचने के साथ ही, हमें भूमि क्षरण की लहर को बड़े पैमाने पर बहाली में बदलने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए। यदि मौजूदा रुझान जारी रहे, तो हमें 2030 तक 1.5 बिलियन हेक्टेयर भूमि को बहाल करना होगा और एक ट्रिलियन डॉलर की भूमि बहाली अर्थव्यवस्था को गति देनी होगी।

भूमि को पुनःस्थापित करें, अवसरों को खोलें थीम के अंतर्गत, इस बात पर प्रकाश डालता है कि प्रकृति की नींव-भूमि-को पुनःस्थापित करने से किस प्रकार रोजगार सृजित हो सकते हैं, खाद्य और जल सुरक्षा को बढ़ावा मिल सकता है, जलवायु कार्रवाई का समर्थन किया जा सकता है और आर्थिक लचीलापन निर्मित किया जा सकता है। यह विशेष रूप से उन शुष्क, अर्द्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिन्हें शुष्क भूमि के रूप में जाना जाता है, इन स्थानों पर सबसे कमजोर पारिस्थितिक तंत्र पाए जाते हैं। यह दिवस अंतरराष्ट्रीय सहयोग से उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाता, बंजर और सूखे के प्रभाव का मुकाबला करने में सक्षम बनाता है। वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में बंजर और सूखे से जुड़े मुद्दे पर जन जागृति का माहौल निर्मित करने के लिये इस दिवस की घोषणा की। बढ़ते मरुस्थल के प्रति सचेत होना इसलिये जरूरी है कि दुनिया हर साल 24 अरब टन उपजाऊ भूमि खो देती है। मरुस्थलीकरण से बचाव के लिए जल संसाधनों का संरक्षण तथा समुचित मात्र में विवेकपूर्ण उपयोग काफी कारगर भूमिका अदा कर सकती है। मरुस्थलीकरण एक तरह से भूमि क्षरण का वह प्रकार है, जब शुष्क भूमि क्षेत्र निरंतर बंजर होता है और नम भूमि भी कम हो जाती है। साथ ही साथ, वन्य जीव व वनस्पति भी खत्म होती जाती है। इसकी कई वजह होती हैं, इसमें जलवायु परिवर्तन और इंसानी गतिविधियां प्रमुख हैं। इसे रेगिस्तान भी कहा जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक 2025 तक दुनिया के दो-तिहाई लोग जल संकट की परिस्थितियों में रहने को मजबूर होंगे। उन्हें कुछ ऐसे दिनों का भी सामना करना पड़ेगा जब जल की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर होगा। ऐसे में मरुस्थलीकरण के परिणामस्वरूप विस्थापन बढ़ने की संभावना है और 2045 तक करीब 13 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ सकता है। विश्व में जमीन का मरुस्थल में परिवर्तन होना गंभीर समस्या एवं चिन्ता का विषय है। भारत में भी यह चिंता लगातार बढ़ रही है। इसकी वजह यह है कि भारत की करीब 30 फीसदी जमीन मरुस्थल में बदल चुकी है। इसमें से 82 प्रतिशत हिस्सा केवल आठ राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) द्वारा जारी ह्यस्टेट ऑफ एनवायरमेंट इन फिगर्स 2019ह्न की रिपोर्ट के मुताबिक 2003-05 से 2011-13 के बीच भारत में मरुस्थलीकरण 18.7 लाख हेक्टेयर बढ़ चुका है। सूखा प्रभावित 78 में से 21 जिले ऐसे हैं, जिनका 50 फीसदी से अधिक क्षेत्र मरुस्थलीकरण में बदल चुका है।

भारत में लगातार बढ़ रहे रेगिस्तान की गंभीर चिन्ताजनक स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जागरूक है और अपनी तीसरी पारी में अब प्रकृति-पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण-मुक्ति के साथ बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिये उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने एवं पर्यावरण की रक्षा को लेकर प्रधानमंत्री का संकल्प एक शुभ संकेत है, नये भारत के अभ्युदय का प्रतीक है। उम्मीद करें कि आजादी के अमृतकाल में सरकार की नीतियों में जल, जंगल, जमीन एवं जीवन की उन्नत संभावनाएं और भी प्रखर रूप में झलकेंगी और धरती के मरुस्थलीकरण के विस्तार होते जाने की स्थितियों पर काबू पाने में सफलता मिलेगी। सरकार द्वारा मरुस्थलीकरण समस्या के समाधान के लिए भूमि और पारिस्थितिकी प्रबंधन क्षेत्र में नवाचार के जरिए टिकाऊ ग्रामीण आजीविका सुरक्षा हासिल करने के लिए भी कार्य किया जा रहा है। उदाहरण के लिए, उत्तराखण्ड सरकार ने आजीविका स्तर सुधारने के लिए भूमि, जल और जैव विविधता का संरक्षण और प्रबंधन किया। सरकार के इन्हीं प्रयासों के तहत अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लिकेशंस सेंटर (एसएसी) ने 19 अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर मरुस्थलीकरण और भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर देश का पहला एटलस बनाया है तथा दूरसंवेदी उपग्रहों के जरिये जमीन की निगरानी की जा रही है। मरुभूमि की लवणता व क्षारीयता को कम करने में वैज्ञानिक उपाय को महत्व दिया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वतः उत्पन्न होने वाली अनियोजित वनस्पति के कटाई को नियंत्रित करने के साथ ही पशु चरागाहों पर उचित मानवीय नियंत्रण स्थापित करना चाहिए। उपजाऊ जमीनों का मरुस्थल में बदलना निश्चय ही पूरी दुनिया के लिए भारी चिंता का विषय है। इसे अब एक धीमी प्राकृतिक आपदा के रूप में देखा जाने लगा है। अगर प्रकृति के साथ इस प्रकार से खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। आज आवश्यकता है कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की ओर विशेष ध्यान दिया जाए, जिसमें मुख्यतः भूप, खनिज, वनस्पति, हवा, पानी, वातावरण, भूमि तथा जानवर आदि शामिल हैं। इन संसाधनों का अंधाधुंध दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण ये संसाधन धीरे-धीरे समाप्त होने की कगार पर हैं। इस जटिल होती समस्या की ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विभिन्न वैश्विक मंचों के कार्यक्रमों कुछ सार्थक कदम उठाने के लिये पहल करना मरुस्थल को उपजाऊ भूमि में बदलने की नयी संभावनाओं को उजागर करता है। इस तरह के समाधान से जहाँ भूमि संरक्षण और उसकी गुणवत्ता बहाल होगी, वहीं विस्थापन में कमी आयेगी, खाद्य सुरक्षा सुधरेगी और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने के साथ वैश्विक जलवायु परिवर्तन से संबंधित समस्याओं से निजात मिल सकेगा। इस संदर्भ में देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र संघ व भारत सरकार के प्रयास सराहनीय हैं, लेकिन फिर भी उपलब्धियाँ नाकाफी रही हैं।

इजरायल व ईरान के युद्ध का असर भारत की आर्थिक स्थिति पर होने की सम्भावना

अशोक भाटिया

गाजा में हमास के खिलाफ लंबे समय से युद्ध लड़ने के बाद इजरायल ने अचानक ईरान पर बड़ा हमला कर दिया। इस हमले में ईरान के कई सैन्य और परमाणु ठिकानों के साथ टॉप सैन्य अधिकारी भी मारे गए। इस तनाव की वजह पश्चिमी एशियाई देशों में तेल की सप्लाई प्रभावित होने की भी आशंका है। ईरान और इजरायल के बीच इस समय जो भयंकर संघर्ष चल रहा है और इसकी कीमत भारत को चुकानी होगी। कीमत न तो अतीत है और न ही भविष्य। इजरायल ने ईरान के परमाणु स्थलों के साथ-साथ उसके यूरेनियम समृद्ध ठिकानों पर भी हमला किया, जिससे ईरान को काफी नुकसान हुआ।

इस ऑपरेशन में ईरान के सर्वोच्च सैन्य अधिकारी भी मारे गए। ईरान ने इजरायल पर हमला किया, लेकिन इजरायल की तुलना में उनका दायरा कुछ भी नहीं था। नतीजतन, भारत को अब एक नए मध्य पूर्व एशियाई युद्ध बिंदु का सामना करना पड़ेगा। इजरायल के कदम की भविष्यवाणी लंबे समय से रणनीतिक हलकों में की गई थी। लेकिन अब इस कदम की योजना बनाई गई है और ईरान कीमत चुका रहा है। तो दुनिया भी करेगी। जिसका नई दिल्ली में स्वागत नहीं किया जाएगा क्योंकि इजरायल और ईरान दोनों ही भारत के सहयोगी हैं।

जबकि भारत के ईरान के साथ लंबे समय से मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, इजरायल ने पाकिस्तान के साथ अपने हालिया संघर्ष में भारत को अच्छा समर्थन प्रदान किया है, इसलिए भारत के सामने एक दुविधा है कि वह पक्ष नहीं ले सकता है, फिर भी भारत को अलगाववाद की अपनी नीति को ध्यान में रखते हुए संघर्ष में भूमिका निभानी होगी।अगर ईरान निर्णायक रूप से हार जाता है या ईरान उसके बहुत करीब गिर जाता है, तो भी भारत में इसका बड़ा असर पड़ेगा। तब भारत को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। भारत ने ईरान जैसे मित्र देशों के आधार पर अपनी ऊर्जा सुरक्षा का निर्माण किया है। यदि ईरान ध्वस्त हो जाता है, तो भारत को ऊर्जा की आपूर्ति नहीं मिलेगी और फिर भारत को पश्चिम की ओर देखना होगा। यह संभव नहीं है क्योंकि भले ही पश्चिमी देश आज भारत के दोस्त हों, लेकिन वे बदलती स्थिति में भारत का साथ नहीं देंगे।

भारत का कच्चा तेल आयात वर्तमान में ईरान द्वारा आयात किया जाता है और होर्मुज बंदरगाह के माध्यम से आयात किया जाता है। क्षेत्र में कोई भी युद्ध युद्ध का मैदान बन जाता है, और इसलिए भारत के कच्चे तेल की कीमतें 150 प्रति बैरल तक जा सकती हैं। इसलिए जब तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो घरेलू मुद्रास्फीति बढ़ जाती है और व्यापार असंतुलन उत्पन्न होता है। शनिवार को ब्रेंट क्रूड की कीमत 6 डॉलर बढ़कर अब तक के सबसे ऊंची कीमत 78 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। वहीं इजरायल पर ईरान का पलटवार और भी चिंता की वजह बन गया है। जानकारों का कहना है कि तनाव बढ़ने से आने वाले समय में काफी अस्थिरता होगी। ऐसे में व्यापार और बाजार प्रभावित होंगे।

मुद्रा दबाव बढ़ता है और राजकोषीय घाटे में तेजी से उतार-चढ़ाव होता है। भारत की अर्थव्यवस्था पहले से ही तंग मार्जिन से उबर रही है। यह उसके लिए एक बड़ी हिट होने जा रहा है। तेल के बिना, भारत की रणनीतिक भू-राजनीतिक स्थिति से समझौता किया जाएगा। ईरान का चाबहार बंदरगाह, जिसे भारत ने विकसित किया है और पाकिस्तान के जवाब के रूप में कार्य करता है, इस युद्ध में या तो बंद हो जाएगा या काम करना बंद कर देगा, और साथ ही, एकमात्र उपलब्ध दक्षिणी उत्तर मार्ग जो भारत के पास है उसे मध्य एशिया और रूस के लिए भी बंद कर दिया जाएगा। नुकसान बहुत बड़ा होगा। क्योंकि यह रास्ता पाकिस्तान और चीन से होकर गुजरता है।

इसके अलावा, यह कश्मीर और उससे आगे आतंकवाद के खतरे को भी बढ़ाएगा। यह सब देखते हुए, भारत के लिए ईरान या इजरायल के साथ पक्ष लिए बिना युद्ध से बचने की कोशिश करना बहुत महत्वपूर्ण है। कूटनीतिक रूप से, नुकसान कई हैं। क्योंकि अगर भारत ने ईरान का साथ दिया, तो वह ईरान जैसा मित्र देश खो देगा और भारत को नुकसान होगा। क्योंकि इंटेलिजेंस शेयरिंग में ईरान एक बहुत महत्वपूर्ण भागीदार है। भारत उस लाभ को खो देगा। आपको दुश्मन का सामना करना होगा। यानी इस क्षेत्र में चीन की पैदाई। ईरानी सामरिक ठिकानों में चीन की एंट्री से पाकिस्तान को आसानी से पहुंच मिल जाएगी और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों की क्षमताएं खतरनाक रूप से भारत के करीब हैं, इसलिए भारत के लिए ईरान का पतन किसी देश का पतन नहीं है, बल्कि पश्चिम का रास्ता बंद हो जाएगा।अगर ईरान युद्ध हारता है तो भारत को भी नुकसान होगा क्योंकि दशकों से भारत की विदेश नीति को आकार देने और भारत का झंडा बुलंद रखने वाली भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो जाएगी।

कुछ जानकारों का कहना है कि ईरान-इजरायल संघर्ष का तात्कालिक परिणाम यह है कि भारत में तेल की कीमत 40 से 50 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी, जिससे कुल मिलाकर भारत की मुद्रास्फीति बढ़ेगी और बेहतर होगा कि आयात से यह किस हद तक प्रभावित होगा, इसके बारे में न सोचें। इसलिए महंगाई और भी बढ़ेगी।मौजूदा ईरान-इजरायल संघर्ष भारत के लिए कई समस्याएं पैदा करेगा। भले ही भारत ईरान से सीधे तौर पर पेट्रोल का आयात न करे, लेकिन भारत की कच्चे तेल की कीमतों का असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा क्योंकि आज वैश्विक तेल की कीमतें अर्थव्यवस्था को निर्धारित करती हैं। इसके अलावा, 20 प्रतिशत तेल होर्मुज की खाड़ी से आता है। इसलिए यह अंदाजा लगाना आसान है कि आयातित तेल की कीमत कितनी बढ़ेगी।

और कुछ जानकारों का कहना है कि भारत ईरान से सीधा ज्यादा तेल नहीं खरीदता है। फिर भी भारत अपनी जरूरत का 80 फीसदी तेल आयात करता है। भारत के लिए चिंता की बात हौरमज की जल संधि है। यह उत्तर में ईरान और दक्षिण में अरब से लगी है। यहां से दुनिया का 20 फीसदी एलएनजी व्यापार होता है। ऐसे में यह चोक पॉइंट साबित हो सकता है। अगर इस रास्ते में कोई भी बाधा आती है तो इराक, सऊदी अरब और यूएई से होने वाली तेल की सप्लाई बाधित होगी। ईरान पहले भी इस रूट को ब्लॉक करने की धमकी दे चुका है। अगर ऐसा होता है तो भारत को आयात करने में मुश्किल आएगी और पेट्रोल-डीजल समीत अन्य फ्यूल की कीमतों में इजाफा हो सकता है।

अब तेल और गैस की कीमतों पर लंबे समय के लिए प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि ईरान और इजरायल के बीच तनाव लंबा खिंचता है या फिर टकराव कम हो जाता है। वहीं ओपेक देशों ने पिछली ही जुलाई में ऐलान किया था कि वे तेल की सप्लाई बढ़ाएंगे। ऐसे में ईरान से सप्लाई कम होने पर भी दुनिया पर ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा। बात भारत की हो तो यहां की ऑइल मार्केट में अच्छी ग्रॉस रिफाइनिंग मार्जिन है। ऐसे में हाल में भारत पर कोई असर दिखाई नहीं देगा।

यदि इस क्षेत्र में व्यवधान होता है, तो यह भारत के निर्यात को प्रभावित करेगा। भारत का निर्यात पहले से ही कम है। यदि ये लागत बढ़ती है, तो भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान हो सकता है। इसलिए भारत के पास अभी एकमात्र विकल्प युद्ध को रोकने की कोशिश करना है। अगर कोई इस युद्ध में किसी का पक्ष लेता है, तो भारत को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

खतरे में लोकतंत्र की लोकध्वनि

-सुरेश गांधी

जो जमीन से जुड़ी पत्रकारिता करते थे, अब खुद जमीन तलाश रहे हैं. या यूं कहे कभी देश के कोने-कोने से उठने वाली लोकध्वनि मानी जाने वाली आंचलिक और छोटे समाचारपत्रों की आज हालत दयनीय है। वे जिनकी स्याही में गांव, गली और कस्बे की समस्याएं दर्ज होती थीं, आज गुमनामी के गर्त में समा रहे हैं। कॉरपोरेट मीडिया के विस्तार और डिजिटल मीडिया की आंधी ने जैसे इनकी सांसें ही रोक दी हों। बड़े मीडिया हाउस जहां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खबरों की चकाचैंध में लिपटे हैं, वहीं छोटे अखबार ही वो थे जो ह्यबिजली नहीं आ रहीह्न, ह्यगांव में डॉक्टर नहींह्न, ह्यपंचायत में घोटाला हुआ हैह्न जैसी खबरों को महत्व देते थे। ये आम जन की आवाज थे। आज वे या तो बंद हो चुके हैं या फिर किसी तरह अस्तित्व बचाने की जद्दोजहद में लगे हैं. मतलब साफ है छोटे समाचारपत्र कोई ह्लछोटा माध्यमह्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र के उन खंभों में से हैं जो जनता और सत्ता के बीच सेतु का काम करते हैं। अगर ये अखबार बंद होते रहे, तो हम एक ऐसा भारत खो देंगे जो गांव से बोलता था, मिट्टी से सांस लेता था और जनता के दर्द को स्याही में दर्ज करता था। अब भी वक्त है, जागिए, नहीं तो अगली पीढ़ी को हम सिर्फ पुराने लोकल अखबारों की कहानियां ही सुनाते रह जाएंगे

छोटे समाचारपत्रों को सरकारी विज्ञापनों में लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। डीएवीपी और राज्य सरकारों की विज्ञापन नीति इतनी कठोर होती जा रही है कि छोटे अखबारों को उसमें जगह मिलना लगभग असंभव है। इससे न सिर्फ उनकी आर्थिक रीढ़ टूट रही है, बल्कि स्थानीय पत्रकारों के लिए रोजगार के अवसर भी खत्म होते जा रहे हैं। जबकि बड़े मीडिया संस्थान बाजार और ब्रांड की प्रतिस्पर्धा में सच्चाई से समझौता कर रहे हैं, तब छोटे समाचारपत्रों की स्वतंत्रता और निर्भीकता लोकतंत्र के लिए उम्मीद की किरण थी। अब जब वही बुझ रही है, तो यह न सिर्फ पत्रकारिता का संकट है, बल्कि लोकतंत्र का भी। देखा जाएं तो छोटे अखबार न डिजिटल परिवर्तन के साथ कदम मिला पा रहे हैं, न पाठकों को नई तकनीक के साथ जोड़ पा रहे हैं। न उनके पास वेबसाइट्स हैं, न सोशल मीडिया की प्रभावी पहुंच। ऊपर से कागज, प्रिंटिंग, और वितरण लागत में बेतहाशा वृद्धि। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है आखिर वे टिकें तो कैसे? क्या अब भी बचाया जा सकता है यह स्वर? बिलकुल! अगर सरकार छोटे समाचारपत्रों के लिए विशेष विज्ञापन नीति बनाए, डिजिटल बदलाव के लिए प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग दे, और पत्रकार सुरक्षा अधिनियम जैसी योजनाएं लागू करे तो यह परंपरा फिर से फल-फूल सकती है। अब भी उस मिट्टी की स्याही में गांव-गिरांव की सच्चाई बया कर सकते हैं. वैसे भी जब लोकतंत्र की बात होती है तो संसद, न्यायालय और मंत्रालय के साथ एक चैथा स्तंभ भी याद आता है,

पत्रकारिता। लेकिन आज इस स्तंभ की सबसे नींव की ईंटें, यानी छोटे समाचारपत्र और आंचलिक पत्रकार, गुमनामी और संकट के गर्त में समा रहे हैं। गांव, कस्बे और तहसील स्तर पर वर्षों से समाज की धड़कन बने ये अखबार अब इतिहास की किताबों में दर्ज होने के कगार पर हैं। उत्तर प्रदेश में ही सरकार द्वारा जारी विज्ञापनों का 90 फीसदी से ज्यादा हिस्सा बड़े मीडिया घरानों को मिल रहा है। वहीं छोटे अखबार, जो गांवों में सच की रिपोर्टिंग कर रहे हैं, वे या तो प्रशासन के दरवाजे खटखटाते हैं या प्रिंटिंग ही बंद कर देते हैं। आंकड़ों के मुताबिक 2023-24 में सरकारी विज्ञापनों का मात्र 3.8 फीसदी ही छोटे समाचारपत्रों को मिला। जबकि 2019 से लेकर अब तक अखबारी कागज की कीमत में 45 फीसदी तक बढ़ोतरी हो चुकी है। ऐसे में एक ओर लागत आसमान छू रही है, दूसरी ओर विज्ञापन और सब्सक्रिप्शन दोनों दम तोड़ रहे हैं। वाराणसी, मिजार्पुर, गाजीपुर, बलिया, भदोही और सोनभद्र जैसे जिलों में सैंकड़ों छोटे अखबार या तो बंद हो चुके हैं या अस्तित्व बचाने की जद्दोजहद में हैं। खास यह है कि सरकार और विज्ञापनदाता अब डिजिटल उपस्थिति मांगते हैं, वेबसाइट, ऐप, रील्स, यूजर एनालिटिक्स! लेकिन एक गांव का छोटा रिपोर्टर, जिसकी आय महीने में ?3000 भी नहीं है, वो यह सब कैसे जुटाए? स्थानीय पत्रकारों के लिए डिजिटल युग अवसर नहीं, एक नई चुनौती बन गया है। अनेक जिलों में छोटे पत्रकारों पर हमले होते हैं, उन्हें धमकियां मिलती हैं, लेकिन कोई मान्यता नहीं, न बीमा, न कानूनी सहारा. परिणाम यह है कि भदोही, गाजीपुर, चंदौली और प्रतापगढ़ सहित पूरे पूर्वांचल व यूपी में हुए पत्रकार हमलों की आज तक न्यायिक सुनवाई तक नहीं हो पाई। यह संकट केवल एक उद्योग का नहीं, बल्कि सूचना और लोकतंत्र की बुनियाद का है। ऐसे में छोटे अखबारों को डिजिटल और आर्थिक सहायता, विज्ञापन नीति में संशोधन, पत्रकार सुरक्षा अधिनियम, हर जिले में मीडिया सहयोग केंद्र के लिए सरकार को पहल करनी होगी। अगर समय रहते सरकार और समाज नहीं जागे, तो आने वाली पीढ़ियां सिर्फ बड़े शहरों की आवाज ही पढ़ेंगी, गांव की नहीं। क्योंकि छोटे अखबारों का संघर्ष, महज एक आर्थिक कहानी नहीं है, बल्कि यह उस लोकतांत्रिक आत्मा का सवाल है जो न किसी चैनल की हेडलाइन बनती है, न सरकार की प्राथमिकता। मतलब साफ है जब गांव की खबर नहीं बचेगी, तब गांव भी इतिहास बन जाएगा।

काशी पत्रिका, जनधारा, पूर्वांचल प्रहरी, कुशीनगर केसरी, मऊ संदेश, सुलतानपुर दर्शन जैसे नाम कभी लोगों की जुबान पर होते थे। ये वो अखबार थे जिनमें न कलम बिकती थी, न खबरें। लेकिन आज यही छोटे अखबार जीविका, मान्यता, और सम्मान कृ तीनों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इन पत्रों के पास न बड़े प्रेस थे, न स्टूडियो, न टीवी चैनलों जैसी टीम। लेकिन इनकी रिपोर्टिंग में वो ह्लधरती की गंधह्व थी जो लोगों को जोड़ती थी। वाराणसी में 1970 दशक के, जो कभी गांडीव अखबार के चीफ रिपोर्टर, 2007 से 2010 तक उत्तर प्रदेश जनर्लिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष व 2002 से 2004 तक मान्यता समिति के सदस्य व आज के पूर्वांचल आजकल अखबार के संपादक डॉ. राधारमण चित्रांसी उस दौर को याद करते हैं, ह्लहमने साइकिल से गांवों में जाकर खबरें इकट्ठा कीं, पन्ने अपने हाथ से सेट किए, और छपवाकर अखबार बांटे। लेकिन आज उसी मेहनत को मान्यता नहीं मिलती।ह्व जहां तक छोटे अखबारों का सवाल है तो धर्म एवं आस्था की नगरी काशी में कभी बनारस, काशीवाणी व संसार जैसे समाचार पत्रो की तूजी बोलती थी, लेकिन आज वो गुमनामी के शिकार हो गए है। उत्तर प्रदेश सूचना विभाग की डीजीआई लिस्ट में अधिकांश छोटे पत्र अब शामिल नहीं हैं। मान्यता के लिए जरूरी शर्तें (5 हजार प्रतियों की प्रसार संख्या, रजिस्ट्रेशन, प्रेस में मुद्रण) ऐसे पत्रों को बाहर कर देती हैं जो गाँवों में 2-3 हजार की सीमा में सीमित हैं।

वर्ष 2023 में राज्य सरकार के कुल विज्ञापन बजट ?325 करोड़ में से मात्र 3 फीसदी ही आंचलिक पत्रों को मिले, जबकि यही पत्र ग्रामीण जनता तक सीधा संवाद स्थापित करते हैं। माना कि डिजिटल मीडिया के जमाने में लोग तेज खबरें चाहते हैं, लेकिन तेज हमेशा सटीक नहीं होती। बड़े मीडिया हाउस राजनीति और मेट्रो केंद्रित हो गए हैं। जबकि छोटे अखबार आज भी यह बताने की ताकत रखते हैं कि किस ब्लॉक में कितनी राशन की चोरी हुई, किस पटवारी ने रिश्वत ली, और किस गाँव में बच्चियों को स्कूल नहीं जाने दिया जा रहा। खास यह है कि इन पत्रों के पत्रकारों को न पीएफ मिलता है, न पहचान पत्र से सुरक्षा। 2021-24 के बीच यूपी में 22 स्थानीय पत्रकारों पर हमले दर्ज हुए, जिनमें 11 छोटे समाचारपत्रों से जुड़े थे। एक बड़ा सवाल यह भी है कि लोकतंत्र का यह चैथा स्तंभ, अपने सबसे जड़ों वाले स्वरूप में, इतना असुरक्षित क्यों? उनका कहना है कि सरकार यदि चाह ले तो छोटे समाचारपत्रों को पुनर्जीवित किया जा सकता है. डिजिटल इंडिया मिशन के तहत इन्हें ऑनलाइन संस्करण और पोर्टल खोलने में तकनीकी सहायता दी जाए। डीएवीपी/राज्य विज्ञापन में इन्हें आरक्षित कोटा मिले। पत्रकार सुरक्षा कानून खासतौर पर ग्रामीण पत्रकारों को ध्यान में रखकर लागू किया जाए। पत्रकार प्रशिक्षण केंद्रों में स्थानीय भाषा, मोबाइल रिपोर्टिंग, सोशल मीडिया लेखन का पाठ पढ़ाया जाए। देखा जाएं तो छोटे समाचारपत्र लोकतंत्र की रीढ़ हैं। ये कहीं किसी पक्के प्रेस में नहीं, बल्कि लोगों की जुबान और जमीन की हकीकत में बसते हैं। अगर ये खो गए, तो भारत की ह्यमूल पत्रकारिताह्न इतिहास की किताबों में सिमट कर रह जाएगी। अभी भी समय है, सरकार और समाज अगर चाहें, तो ये अलख फिर से जल सकती है। नहीं तो गांव की खबरें, सिर्फ शहर के एसी कमरों में बनाई जाएंगी, जमीनी नहीं दिखेंगी... कल्पना की जाएंगी।

अब नहीं बनते गांव की समस्याएं मुद्दे

सीनियर पत्रकार हरेन्द्र उपाध्याय कहते है कभी उत्तर प्रदेश की धरती पर पत्रकारिता सिर्फ लखनऊ, प्रयागराज या वाराणसी तक सीमित नहीं थी। गाँव-देहात, कस्बे, तहसीलें, हर जगह अपनी एक आवाज थी, जिसे छोटे-छोटे अखबारों ने पन्नों पर उतारा। इसे ही कहते हैं आंचलिक पत्रकारिता, और इसका दौर वास्तव में स्वर्णकाल था। भोजपुर से लेकर बलिया, देवरिया से लेकर गोंडा तक, ऐसे सैकड़ों अखबार निकले जिन्होंने विकास, जन सरोकार, गांव की सच्चाई और प्रशासनिक जवाबदेही को अपनी स्याही बनाया। गोरखपुर में अंचल संदेशह्लये सिर्फ नाम नहीं, जनता की आत्मा का प्रतिबिंब थे। लेकिन ऐसे छोटे अखबारों को न कोई कॉर्पोरेट फंडिंग मिलती थी, न विज्ञापन की लाइन लगती थी। रिपोर्टर एक पुरानी डायरी में नोट्स लेता था, पन्ने प्रेस में खुद सेट करता था, और फिर साइकल से बाँटने निकलता था। वो पत्रकार सिर्फ खबरें नहीं, अपनी आत्मा भी छाप रहा होता था। गांव में बिजली आई या नहीं, राशन की दुकान पर गड़बड़ी, प्रधान का भ्रष्टाचार, सरकारी स्कूल में मास्टर की गैरहाजिरी, नहर टूटी, फसलें सूख गईं जैसे मुद्दे को लेकर जहां बड़े अखबार या चैनल नहीं पहुंचते थे, वहां ये पत्र सत्य की मशाल बनते थे। इन अखबारों की एक प्रति पूरे गांव में घूमती थी। लोग अखबारों को संभालकर रखते थे, पंचायतों में सबूत के रूप में पेश करते थे, और बहुत बार इन्हीं खबरों पर प्रशासनिक कार्रवाई होती थी। एक वाकया याद आता है, बलिया के जन संदेश में एक बीडीओ की भ्रष्टाचार की रिपोर्ट छपी, जिसके बाद जिलाधिकारी ने संज्ञान लेकर जांच बैठाई और अधिकारी निलंबित हुआ। इन अखबारों में काम करने वाले पत्रकार भले तनख्वाह न लें, लेकिन उन्हें सम्मान जरूर मिलता था। गांव का बुजुर्ग उनके पैर छूता था, प्रधान उनसे डरता था, और एसडीएम तक जवाब देता था, सिर्फ इसलिए क्योंकि पत्रकारिता जनता की नजर थी। आज जो गांवों की समस्याएं सरकारी फाइलों में भी दर्ज नहीं हैं, वे छोटे अखबारों के संग्रहालयी पन्नों में मौजूद हैं। ये पन्ने सिर्फ खबरें नहीं, समय के गवाह हैं. कहने का अभिप्राय यह है कि आंचलिक पत्रकारिता का स्वर्णकाल वो था जब पत्रकार ह्लटीआरपीह्ल नहीं, ह्लसच्चाईह्ल के लिए लिखता था। जब खबरें बिकती नहीं थीं, बनती थीं। और जब अखबार सिर्फ सूचना नहीं, आत्मा का दस्तावेज हुआ करता था। अब जबकि ये परंपरा संकट में है, हमें उस स्वर्णकाल की याद इसलिए जरूरी है, ताकि हम ये समझ सकें कि क्या खोने जा रहे हैं... और क्यों इसे बचाना जरूरी है।

क्यों उजड़ रहा है आंचलिक पत्रकारिता का आंगन

आंचलिक पत्रकारिता का वह स्वर्णकाल अब बीते दिनों की बात हो चला है। आज उत्तर प्रदेश से लेकर देश भर के छोटे समाचारपत्र अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रहे हैं। यह संकट महज आर्थिक नहीं, बल्कि नीति, तकनीक और पाठक प्रवृत्ति से उपजा एक बहुआयामी हमला है। उत्तर प्रदेश में सूचना विभाग और डीएवीपी द्वारा दिए जाने वाले सरकारी विज्ञापनों में छोटे पत्रों के लिए लगभग शून्य-सी स्थिति बन गई है। इसकी बड़ी वजह कठोर मान्यता नियम (उच्च प्रसार संख्या, रंगीन छपाई, ऑनलाइन संस्करण आदि) है. प्रशासनिक लापरवाही व स्थानीय अधिकारियों की अनदेखी, बड़े मीडिया घरानों की लॉबिंग का परिणाम है कि छोटे अखबार या तो विज्ञापन के लिए हाथ पसारते हैं या बंद हो जाते हैं। बड़े समाचार समूहों ने डिजिटल विस्तार, मोबाइल ऐप, मल्टीप्लेटफॉर्म रिपोर्टिंग से पूरा परिदृश्य अपने कब्जे में ले लिया है। स्थानीय खबरों पर भी अब बड़े ब्रांड का मोनॉपॉली है। यानी अब गांव के पटवारी की घूसखोरी की खबर लखनऊ से तय होती है कृ वह भी तब, जब सोशल मीडिया में वायरल हो जाए। इससे खबरें ह्लस्थानीयह्ल नहीं रह जातीं, मुद्दे हाशिए पर चले जाते हैं और छोटे अखबार अप्रासंगिक हो जाते हैं. प्रिंटिंग प्रेस, पेज सेटिंग, स्याही और डिस्ट्रीब्यूशन का खर्च इतना बढ़ गया है कि अब एक हफ्ते में छपने वाला 8 पेज का स्थानीय पत्र भी घाटे का सौदा बन गया है। जबकि सरकार और पाठक, दोनों की नजर में वही मीडिया ह्लप्रासंगिकह्ल है जो डिजिटल है। लेकिन गांव-कस्बों में चल रहे छोटे समाचारपत्र डिजिटल ट्रांजिशन का खर्च नहीं उठा पा रहे। वेबसाइट बनवाना, मोबाइल ऐप लॉन्च करना, सोशल मीडिया टीम रखनाः ये उनके लिए सपने जैसे हैं। नतीजतन, उनकी रिपोर्ट डिजिटल स्पेस में कहीं नहीं दिखती। इन छोटे पत्रों के पत्रकार आज भी गांव में बिना हेलमेट रिपोर्टिंग करते हैं। छोटे अखबारों का संकट सिर्फ एक इंडस्ट्री का संकट नहीं, बल्कि सूचना की लोकतांत्रिक संरचना का संकट है। जब समाचार सिर्फ बड़े शहरों और ब्रांडेड रिपोर्टरों तक सीमित रह जाएंगे, तब देश का वो आम नागरिक जिसकी कोई हेडलाइन नहीं बनती, वह हमेशा अनसुना ही रह जाएगा। छोटे समाचारपत्रों को अब सामुदायिक मॉडल की ओर बढ़ना होगाः सब्सक्रिप्शन आधारित अभियान के तहत गांव या मोहल्ला स्तर पर वार्षिक सदस्यता योजना चलाई जाए, हर पाठक 100 रुपये में गांव की आवाज बचाए जैसे नारे के साथ। पाठकों की शिकायत, रचना, या फोटो को स्थान देकर ह्यलोक-अखबार के रूप में खुद को फिर से परिभाषित करें।

पत्रकारिता क्लब शुरू करवाए जाएं

स्थानीय पत्रकारिता को युवाओं से जोड़ने के लिए स्कूलों में पत्रकारिता क्लब शुरू करवाए जाएं। इससे भविष्य का पाठक और रिपोर्टर दोनों तैयार होगा। डिजिटल सिर्फ खतरा नहीं, एक मौका भी है। मुफ्त ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म (जैसे डमकपनउ, ॅवतकच्तमे, ैनइेजंबा) पर स्थानीय खबरें प्रकाशित की जा सकती हैं, यूट्यूब, फेसबुक पेज, व्हाट्सऐप चैनल जैसे माध्यमों का सही प्रयोग कर छोटे पत्रकारों की पहुंच बढ़ सकती है. मुफ्त वीडियो टूल और मोबाइल से शूटिंग सीखकर कोई भी रिपोर्टिंग कर सकता है कृ अब स्टूडियो की जरूरत नहीं। जवाहरलाल नेहरू पत्रकारिता संस्थान, काशी विद्यापीठ, गोरखपुर विश्वविद्यालय जैसे संस्थान स्थानीय पत्रकारों के लिए ह्यडिजिटल पत्रकारिता कार्यशालाह्न शुरू करें. प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया या राज्य प्रेस बोर्ड ग्रामीण मीडिया प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाएं. अंतरराष्ट्रीय एनजीओ व मीडिया संस्थाएं ब्ेत के तहत इन्हें सपोर्ट करें. नीतिगत पहलकदमी के सुझाव (सरकार को भेजे जा सकते हैं): ?1-5 लाख तक के ह्लग्राम पत्रकारिता अनुदानह्ल की योजना, ह्ललोक मीडिया सम्मानह्ल के अंतर्गत हर जिले में एक सक्रिय ग्रामीण अखबार को पुरस्कृत करना, ब्लॉक स्तर पर पत्रकारों की एक रजिस्टर्ड यूनियन को मान्यता और प्रतिनिधित्व देना. क्योंकि छोटे समाचारपत्र अगर बंद हुए, तो नुकसान सिर्फ कुछ प्रेस और पन्नों का नहीं होगा बल्कि हम अपनी जड़ों, अपनी लोकभाषा, और अपने असली लोकतंत्र से कट जाएंगे। लेकिन अगर समय रहते समाज और सरकार ने मिलकर इन्हें संभाल लिया, तो यह गांव की आवाज, लोक की ताकत, और सत्य की स्याही दोबारा चमक सकती है।

अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए करें वृक्षारोपण : डॉ अनील काशी मुरारका

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वृक्ष हमारे लिए प्राणवायु (ऑक्सीजन) और जल प्रदान करते हैं, और वे जलवायु को भी नियंत्रित करते हैं। वृक्ष लगाने से हम पृथ्वी को प्रदूषण से बचा सकते हैं और एक स्वस्थ वातावरण बना सकते हैं। प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था एम्पल मिशन के चेयरमैन डॉ. अनील काशी मुरारका ने गोरेगांव हाईवे के पास स्थित श्मशान भूमि में वृक्षारोपण करने के बाद उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि वृक्ष लगाने से हम प्रदूषण को कम कर सकते हैं, जलवायु परिवर्तन को रोक सकते हैं, और मिट्टी के कटाव को भी रोक सकते हैं। वृक्ष पानी को सोख लेते हैं और जल स्तर को बनाए रखते हैं। ऑक्सीजन का वृक्ष ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं, जो हमारे जीवन के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा वृक्ष कई प्रकार के आर्थिक लाभ भी प्रदान करते हैं, जैसे कि लकड़ी, फल, और अन्य उत्पाद। वृक्ष हमें एक स्वच्छ और सुंदर वातावरण प्रदान करते हैं। यदि हम सभी मिलकर वृक्ष लगाएंगे, तो हम एक स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य बना सकते हैं। देश के नागरिकों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि कि आने वाले कल के भविष्य के सुंदर पल के लिए सभी देशवासी ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाएं ताकि आने वाले कल के भारत का भविष्य सुंदर और सुनहरा हो। वातावरण सुंदर हो तथा लोग स्वस्थ हों। इस मौके पर संस्था से जुड़े सैकड़ो की संख्या में पदाधिकारी मौजूद थे।

के रवि. को मातृशोक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जाने माने सामाजिक कार्यकर्ता, फिल्म निमार्ता, इंडिया मीडिया लिंक के प्रमुख वरिष्ठ पत्रकार के रवि. की माता यशोदा शिवाजी दुपारगुडे का गुरुवार, 12 जून, 2025 को वृद्धावस्था के कारण निधन हो गया। रविवार, 15 जून को घाटकोपर के गरोडिया नगर स्थित 'लैवेंडर बाग' सभागृह में उनका पुण्याणुमोदन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर फिल्म उद्योग के कई कलाकारों के साथ-साथ सामाजिक, राजनीतिक और कामगार क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों ने मातोश्री यशोदा शिवाजी दुपारगुडे को श्रद्धांजलि अर्पित की।

यदुवंशी समाज सेवा संस्था की मासिक बैठक में मेधावी छात्रों के सत्कार समारोह पर की गयी चर्चा

आचार्य सूरजपाल यादव/मुलुंड (उत्तरशक्ति)। यदुवंशी समाज सेवा संस्था की मासिक बैठक मुलुंड नागरिक सभागृह हाल के साथ बदलापुर (पश्चिम) में संस्था के राष्ट्रीय सलाहकार अर्जुन यादव के निवास स्थान पर उत्तर भारतीय व्यंजन बाटी चोखा पार्टी के साथ संपन्न हुयी । बतादें कि संस्था द्वारा हर वर्ष होने वाले कार्यक्रमों में मुख्य मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह पर चर्चा की गयी जिसमें भांडुप , डोंबिवली , भिवंडी , गोरेगांव आदि स्थानों पर कार्यक्रम करने को लेकर चर्चा की गयी । उक्त बैठक में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिकांत बलिराम यादव , कोषाध्यक्ष विवेक यादव , राष्ट्रीय सचिव सभाजीत यादव (सर) , उपाध्यक्ष रविंद्रनाथ यादव , राष्ट्रीय सचिव दीनानाथ यादव , राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जयसिंह यादव , भांडुप जिला अध्यक्ष रामेश्वर यादव , भांडुप महासचिव वीरेंद्र यादव , दिनेश यादव , भांडुप सचिव हरेंद्र यादव , भीम यादव श्रवण कुमार यादव , संतोष कुमार यादव आदि लोगों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयारी पर चर्चा किया ।

आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस ने लॉन्च किया सुपर टर्म प्लान

मुंबई/पटना। आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एबीएसएलआई), भारत की अग्रणी विविध वित्तीय सेवा कंपनी आदित्य बिड़ला कैपिटल की जीवन बीमा सहायक कंपनी ने एबीएसएलआई सुपर टर्म प्लान लॉन्च करने की घोषणा की है। यह ऑल-इन-वन शुद्ध सुरक्षा टर्म इंश्योरेंस बिल्ट-इन स्वास्थ्य प्रबंधन सेवाओं के साथ-साथ लक्ष्य-संबद्ध वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह लॉन्च कंपनी के ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण और पॉलिसीधारकों की समग्र भलाई का समर्थन करने की इसकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। एबीएसएलआई सुपर टर्म प्लान तीन अनुकूलित कवरेज विकल्पों में से चुनने की सुविधा प्रदान करता है: लेवल कवर पॉलिसी अवधि के दौरान एक निश्चित बीमित राशि प्रदान करता है, जो बीमित व्यक्ति की मृत्यु पर एकमुश्त, मासिक आय या इनके संयोजन के रूप में देय होती है। कवर बढ़ाने से बीमित राशि में 5% प्रति वर्ष (साधारण ब्याज) की वृद्धि होती है, जिससे समय के साथ सुरक्षा बढ़ती है। प्रीमियम के रिटर्न के साथ लेवल कवर निश्चित मृत्यु लाभ सुनिश्चित करता है, साथ ही यदि बीमित व्यक्ति परिपक्वता तक जीवित रहता है तो भुगतान किए गए कुल प्रीमियम का 100% वापस भी करता है। मजबूत जीवन सुरक्षा प्रदान करने के अलावा, यह योजना पॉलिसी अवधि के दौरान सुलभ अंतर्निहित स्वास्थ्य प्रबंधन सेवाएं प्रदान करती है।

मुख्यमंत्री ने दुर्वेस जिला परिषद स्कूल में विद्यार्थियों का किया स्वागत

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बताया भविष्य की कुंजी

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को पालघर तालुका के दुर्वेस स्थित जिल्हा परिषद स्कूल का दौरा किया और नववर्ष 2025-26 की शुरूआत के अवसर पर छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को गणवेश और पाठ्यपुस्तकें वितरित कीं तथा उनसे संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, तकनीक का समुचित उपयोग और शिक्षकझ्पालक संवाद यही भविष्य की समृद्ध शैक्षणिक व्यवस्था की कुंजी है। उन्होंने स्कूल में डिजिटल क्लासरूम, आईसीटी लैब, विज्ञान प्रयोगशाला, ग्रंथालय, औषधीय वन उद्यान व टेरेस गार्डन जैसी आधुनिक सुविधाओं का निरीक्षण किया और संतोष व्यक्त किया। दुर्वेस का यह विद्यालय पीएम श्री योजना के अंतर्गत विकसित किया गया है और जिले के एक आदर्श शाला के रूप में जाना जाता है। पर्यावरण संरक्षण के संदेश के तहत मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्कूल परिसर में वृक्षारोपण भी किया। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों से मुख्यमंत्री ने सीधा संवाद साधा। एक अभिभावक ने कहा, इस स्कूल में बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा मिलती है, शिक्षक मेहनत करते हैं, बच्चों को डिजिटल बोर्ड पर लिखने का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। इन बातों से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री ने पालक, शिक्षक और शिक्षण विभाग की प्रशंसा की। इस अवसर पर राज्य के वन मंत्री एवं पालघर जिला पालक मंत्री गणेश नाईक, पूर्व मंत्री रवींद्र चव्हाण, सांसद डॉ. हेमंत सवरा, विधायक विलास तरे, राजन नाईक, राजेंद्र गावित, निरंजन डावखरे, शिक्षण विभाग की प्रधान सचिव आय. एन. कुंदन, शालेय शिक्षण आयुक्त सचिंद्र प्रताप सिंह, जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखड, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, शिक्षा अधिकारी सोनाली मातेकर समेत अनेक शिक्षक, जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित थे। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री ने यह दौरा महाराष्ट्र सरकार के 100 शाला भेट उपक्रम के तहत किया है, जिसके अंतर्गत 16 व 17 जून को पालघर जिले की कुल 142 स्कूलों का निरीक्षण मंत्री, जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी करेंगे। इस पहल से स्कूलों, विद्यार्थियों और अभिभावकों के बीच संबंध प्रगाढ़ होने की उम्मीद जताई जा रही है, साथ ही छात्र उपस्थिति और शैक्षणिक गुणवत्ता में भी सकारात्मक सुधार की आशा है।

घाटकोपर में सुरक्षा दीवार ढही

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई में पिछले दो दिनों से लगातार बारिश हो रही है। रविवार की रात को जब बरसात तेजी से हो रही थी, उस दौरान घाटकोपर के इंदिरानगर 2 में सिद्धेश्वर चॉल में सुरक्षा दीवार सुबह करीब 3 बजे ढह गई। इस चॉल में 10/15 घर हैं और दीवार दो घरों के पास ढह गई, जिससे घर के पास बड़ी मात्रा में पत्थर गिरे। विजय जायसवाल को रात में ही दमकल विभाग के अधिकारियों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस घटना में किसी तरह की जनहानि या घरों को नुकसान नहीं पहुंचा है। हालांकि, इस चॉल में आधी सुरक्षा दीवार रात में ढह गई और कुछ दीवारें ढहने की स्थिति में हैं। चॉल में छोटे बच्चे खेलते हैं और चूंकि नागरिकों की आवाजाही बहुत रहती है। सौभाग्य से दीवार रात में ढह गई, वरना दुर्घटना घटित हो सकती थी। वहीं इस चॉल के नागरिकों ने मांग की है कि मनपा शेष सुरक्षा दीवार, जो ढहने की स्थिति में है, को गिरा दे और नई सुरक्षा दीवार बनाए।

वर्ल्ड मलयाली फेडरेशन का भव्य उद्घाटन

महाराष्ट्र स्टेट मलयाली फेडरेशन काउंसिल की घोषणा

कल्याण (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में मलयाली मूल के लोगों की शक्ति और एकता को दशार्ते हुए एक ऐतिहासिक कार्यक्रम में वर्ल्ड मलयाली फेडरेशन (डब्ल्यूएमएफ) ने कंट्री इन एंड सूट्स बाय रेडिसन, नवी मुंबई में अपनी महाराष्ट्र स्टेट काउंसिल एमएससी का औपचारिक उद्घाटन किया। इस समारोह में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और केरल के हरिपद क्षेत्र से विधायक रमेश चेन्निथला मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। सिडको की मुख्य महाप्रबंधक गीता ए. पिल्लई और प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी डॉ.वर्गीस मूलन को विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में डब्ल्यूएमएफ के ग्लोबल चेयरमैन डॉ. जे. रत्नकुमार, ग्लोबल डायरेक्टर रेजिन चल्लापुरम, ग्लोबल ट्रेजरर टॉम जेकब, एशिया रीजन के प्रेसिडेंट डॉ. राजेंद्रप्रसाद, एशिया रीजन के वाइस प्रेसिडेंट डी. फ्रान्सिस तथा भारत और विदेशों से आए डब्ल्यूएमएफ के अन्य राष्ट्रीय और क्षेत्रीय नेता भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था नवगठित डब्ल्यूएमएफ महाराष्ट्र स्टेट काउंसिल का औपचारिक उद्घाटन एवं कार्यकारिणी की स्थापना।

घोषित कार्यकारिणी में संरक्षक डॉ. ओमेन डेविड,अध्यक्ष डॉ. रॉय जॉन मैथ्यू, उपाध्यक्ष बिजॉय ओमेन, सिंधु नायर, महासचिव सीए डोमिनिक पॉल, कोषाध्यक्ष बिनॉय थॉमस, सह-सचिव एन. टी. पिल्लई, अ?ंड. राखी सुनील का समावेश है। वहीं शपथ ग्रहण समारोह भी इस दौरान संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान परिषद की स्थापना में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले, शिक्षा क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले एवं अनेक पुरस्कारों से सम्मानित व्यक्तित्व डॉ. ओमेन डेविड को सम्मानित किया गया और उन्हें संरक्षक पद पर पदोन्नत किया गया।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तरह पूर्वी उत्तर प्रदेश का भी हो विकास: डॉ द्रिगेश यादव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पूर्वी उत्तर प्रदेश की आवाज कही जाने वाली सामाजिक संस्था पूर्वांचल विकास परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक डॉ. द्रिगेश यादव के नेतृत्व में गोरेगांव पूर्व के आरे कॉलोनी में पूर्वांचल के विभिन्न मुद्दों पर परिचर्चा एवं स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्वांचल से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर पर परिचर्चा की गई । डॉ द्रिगेश यादव ने पूर्वांचल विकास परिवार के संगठन को और मजबूत करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में पूर्वांचल विकास परिवार को बड़ी लड़ाई के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि एक तरफ जहां पश्चिमी उत्तर प्रदेश में विकास की गंगा बह रही है, वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और गरीबी चरम सीमा पर है। मूल समस्या से ध्यान भटकाने के लिए लोगों को जाति और धर्म के नाम पर आपस में लड़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल विकास परिवार, पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तरह पूर्वी उत्तर प्रदेश का भी विकास चाहता है। परिचर्चा के दौरान सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के मुंबई अध्यक्ष चंद्रजीत यादव का पूर्वांचल विकास परिवार की तरफ से सम्मान किया गया। इस अवसर संस्था के संस्थापक सदस्य मोतीलाल यादव, लोकगीत गायक नीलकंठ, बृजेश यादव, विमलेश यादव जौनपुरिया, ईश्वर देव यादव, अरुण यादव, धीरेंद्र यादव , झुल्लूर यादव , राम झलक यादव, रणविजय यादव , बाबुलनाथ यादव , लोकगीत गायक संतोष यादव पगड़ीवाले समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

उल्हासनगर मनपा ने 'क' श्रेणी की प्रारूप विकास योजना प्रक्रिया शुरू की

चेतन निर्मल संवाददाता
उल्हासनगर(उत्तरशक्ति)। नगर विकास विभाग के आदेशानुसार उल्हासनगर महानगरपालिका ने 'क' श्रेणी की प्रारूप विकास योजना तैयार करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। इस संदर्भ में 16 जून को मनपा मुख्यालय में नगर नियोजन समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त डॉ. किशोर गवस ने की। बैठक में संबंधित अधिकारियों को जनता से प्राप्त सुझावों और आपत्तियों के आधार पर संशोधित प्रारूप विकास योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान स्थायी समिति सभागृह में योजना विभाग से जुड़े अधिकारियों और तकनीकी विशेषज्ञों की उपस्थिति में विस्तृत चर्चा की गई। जनसंपर्क कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक बैठक में डॉ. गवस ने सभी संबंधित विभागों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि योजना निर्माण का कार्य नियोजित समयसीमा में पूरा हो और अंतिम प्रारूप शीघ्र प्रस्तुत किया जाए। नागरिकों की भागीदारी और विभागीय समन्वय से यह कार्य पूरा करने हेतु एक विशेष विकास योजना निर्माण समिति का गठन किया गया है। इस बैठक में पालिका के वरिष्ठ अधिकारी, अभियंता, नगर रचना विशेषज्ञ और संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

चेंबूर स्थित घासवाले बाबा दरगाह में दस दिवसीय उर्स महोत्सव का आयोजन आज से शुरू

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हर साल की तरह इस बार भी मुंबई के चेंबूर स्थित माहुल रोड, वी.पी.टी. रोड पर स्थित प्रसिद्ध हजरत सैय्यद गाजी सालार मलंग शाह कादरी उर्फ. घासवाले बाबा की दरगाह में दस दिवसीय उर्स महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ आज से शुरू हो रहा है । यह वार्षिक उर्स 17 जून 2025 से 26 जून 2025 तक आयोजित किया गया है जिसमें विविध सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

बता दें कि यह दरगाह सभी धर्मों के लोगों की आस्था का केंद्र है। जहाँ श्रद्धालु अपनी उपस्थिति लगाकर मन्नत माँगते हैं और दुआ करते हैं। हजरत सूफी जमाल शाह कादरी बाबाजी (जमेली) के मार्गदर्शन में पिछले कई वर्षों से यह उर्स महोत्सव शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न होता आ रहा है। इस वर्ष की तैयारियाँ अजमेर बापू की देखरेख में की जा रही हैं। उर्स का शुभारंभ आज 17 जून को परवाने की खुशी के साथ किया जाएगा।

22 जून 2025 को देश की प्रसिद्ध कव्वाल गायिका दीदी अंजली भारती की कंचली समा महफि ल का भव्य आयोजन होगा। साथ ही शायर-संगीतकार भास्कर इंगळे (पिंटू भाई) और इंस्टाग्राम रील स्टार साईबा 19 साहिबा रानी अपनी प्रस्तुति देंगे।

26 जून 2025 को इस उर्स महोत्सव का समापन होगा, जिसमें भारत सरकार के केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रामदास आठवले मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

इस अवसर पर पहलगाम हमले में शहीद हुए वीरों और गुजरात विमान हादसे में मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी जाएगी तथा उनकी आत्मा की शांति हेतु सामूहिक दुआ की जाएगी। इस दस दिवसीय उर्स महोत्सव में आने वाले लोगों के लिए नागरिक सुविधाओं को मुहैया कराने की मांग भीमसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर. आर. पांडियन ने की है। यह आयोजन प्रेम, सद्भाव और धार्मिक एकता का प्रतीक है।

सीजीएसटी भिवंडी आयुक्तालय द्वारा शांति चंदन आडोटोरियम हाल में मनाया गया जीएसटी दिवस

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के अंजूरफाटा स्थित मानसी भरत गडा डिग्री कालेज के शांति चंदन आडोटोरियम हाल में जीएसटी के 8वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां जीएसटी अधिकारियों कर्मचारियों के साथ व्यवसायी , चार्टर्ड एकाउंटेंट्स , टैक्स सलाहकार , जीएसटी करदाता आदि लोग उपस्थित थे । बतादें कि वस्तु एवं सेवा कर एक अप्रत्यक्ष प्रणाली है जिसे 1 जुलाई 2017 को लागू किया गया जिसके लिये हर वर्ष पूरे देश में जीएसटी दिवस मनाया जाता है । इसी तरह भिवंडी आयुक्तालय द्वारा 8वीं जीएसटी वर्षगांठ मनाई गयी । उक्त कार्यक्रम का आयोजन आयुक्त संजीव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में अतिरिक्त आयुक्त तारिक मबूद , सुश्री नैन्सी डिसूजा के नेतृत्व में उपायुक्त सुनंद झोडिया व सहायक आयुक्त मानस दास व सुरेन्द्र कविटकर की उपस्थिति में डिवीजन-4 के सहायक आयुक्त सुनील प्रसाद के कुशल नेतृत्व में किया गया । कार्यक्रम का समन्वय सहायक आयुक्त वसंत सोनकुसरे , जितेश नाइक , राजेश पमनानी आदि के साथ डिवीजन 1से 5 के सभी अधिकारियों के सामूहिक सहयोग से कार्यक्रम को सफल किया गया । कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने पिछले 8 वर्षों में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स के विकास , अर्थव्यवस्था पर प्रभाव , उपलब्धियों सामने आई चुनौतियों और भविष्य के संभावनाओं पर ध्यान केन्द्रित करते हुये व्यवहारिक चचाएँ और प्रस्तुतियां दी गयी । उक्त कार्यक्रम में जीएसटी और करदाताओं के बीच सेतु का काम करने वाले प्रमुख चार्टर्ड एकाउंटेंट्स आशुतोष त्रिवेदी , राकेश अग्रवाल आदि के साथ भिवंडी के उद्योगपति रतीलाल सुमरिया आदि लोग उपस्थित थे । सीजीएसटी भिवंडी आयुक्तालय द्वारा उपस्थित सभी करदाताओं , चार्टर्ड एकाउंटेंट्स , महाविद्यालय प्रबंधन समिति जीएसटी अधिकारियों , कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया ।

डाबर आँवला का 'जेलस डैड' अभियान

मुंबई। डाबर आँवला हेयर ऑयल, भारत का सबसे भरोसेमंद और प्रतिष्ठित हेयर केयर ब्रांड, ने फादर्स डे के लिए एक नई डिजिटल फिल्म 'जेलस डैड' लॉन्च की है, जो भारतीय पिताओं की अनकही भावनात्मक जरूरतों पर प्रकाश डालती है। इंस्टामार्ट के सहयोग से बनाया गया यह दिल को छू लेने वाला अभियान, फादर्स डे पर उपहार देने के तरीके को फिर से परिभाषित करता है, एक साधारण, सांस्कृतिक रूप से निहित हावभाव–चम्पी–की भावनात्मक शक्ति का जश्न मनाते हुए।

यह फिल्म एक पिता की कहानी है जो अपनी बेटी को अपनी माँ पर प्यार बरसाते हुए–रीलों, सेल्फी और साझा पलों के माध्यम से–देखकर तेजी से ईष्यार्लु हो जाते हैं। खुद को उपेक्षित महसूस करते हुए, वह व्यंगात्मक ढंग से पूछते हैं कि क्या फिर से मदर्स डे है।

बेटी, अपनी गलती का एहसास करते हुए, तुरंत इंस्टामार्ट के माध्यम से डाबर आँवला हेयर ऑयल का ऑर्डर देकर कार्रवाई करती है। कुछ ही मिनटों में, वह इस पल को एक विशेष घर पर चम्पी अनुभव में बदल देती है–जो उनके पिता के चेहरे पर मुस्कान, जुड़ाव और आराम लाता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

लड़की भगाने के मामले में हुआ था ट्रिपल मर्डर

◆ खौफनाक तरीके से दिया गया था अंजाम

जफराबाद,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले को झकझोर देने वाले ट्रिपल हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए रविवार को दो और आरोपियों को दबोच लिया। महरुपुर रेलवे ओवरब्रिज के पास हुई इस गिरफ्तारी ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस के लिए यह केस किसी चुनौती से कम नहीं था। लेकिन सीओ सिटी देवेश सिंह की अगुवाई में आखिरकार सच सामने आ ही गया।गौरतलब है कि 25 मई की शाम जफराबाद क्षेत्र के मोहम्मदपुर कांध गांव निवासी लालजी और उसके दो पुत्र गुड्डू व यादबीर की निर्मम हत्या कर दी गई थी। नेवादा अंडरपास के पास स्थित कारखाने में हथौड़ा, सरिया और लोहे के औजारों से ताबड़तोड़ हमला कर तीनों को मौत के घाट उतार दिया गया था। इस नृशंस वारदात से पूरा जिला कांप उठा था। पहले ही दो आरोपी पकड़े जा चुके थे, लेकिन मास्टरमाइंड अरविंद उर्फ गोलू और उसके साथियों की तलाश जारी थी। रविवार को जैसे ही मुखबिर ने सीओ सिटी को सूचना दी कि दो आरोपी प्रिंस निषाद और सौरभ बिंद रेलवे ओवरब्रिज के पास मौजूद हैं, पुलिस टीम ने तत्काल छापा मारकर दोनों को धर दबोचा। मौके से हत्या में प्रयुक्त हथौड़ा भी बरामद कर लिया गया।

खौफनाक खुलासाः ऐसे दी गई तीन-तीन जानों को दर्दनाक मौत पूछताछ में जो कहानी सामने आई, वह रूह कंपा देने वाली है। आरोपी प्रिंस, सौरभ और गोलू 25 मई की शाम लालजी के कारखाने में पहुंचे। कमरे में अकेले बैठे लालजी पर पहले हमला बोला गया। जैसे ही बेटा गुड्डू दौड़ता हुआ अंदर आया, उसे भी पकड़कर पीटा गया और फिर हथौड़े से सिर कुचल दिया गया। फिर आया यादबीर, जो खराद मशीन पर काम कर रहा था—उसे भी बख्शा नहीं गया। तीनों शवों को कमरे में खींचकर एक जगह लिटाया गया और फिर दोबारा वार किए गए, ताकि किसी को सांस भी न बचे।जमीन का झगड़ा और लड़की भगाने की रंजिश बनी खून की वजह सीओ सिटी देवेश सिंह ने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि हत्याकांड की जड़ में जमीनी विवाद और एक लड़की को भगाने की रंजिश थी। मुख्य आरोपी गोलू के पिता पलटू की बेटी से जुड़ा विवाद इस हद तक बढ़ गया कि पूरे परिवार की हत्या कर दी गई।पुलिस का कहना है कि मुख्य आरोपी गोलू की तलाश अब अंतिम चरण में है और जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस दिल दहला देने वाले हत्याकांड की जड़ तक पहुंचने के लिए पुलिस की कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

कृष्णा हार्ट केयर ब्लड बैंक में रक्तदान का महोत्सव में 80 से अधिक जीवनदाताओं ने बढ़ाया सेवा का हाथ

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। रक्तदान दिवस के पावन अवसर पर कृष्णा हार्ट केयर एंड मैटरनिटी ब्लड बैंक, जौनपुर में एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 80 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस आयोजन में कृष्णा जली सेवा परिवार का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ, जिसने कार्यक्रम की सफलता में अहम भूमिका निभाई।

शिविर का नेतृत्व कर रहे डॉ. हरेंद्र देव सिंह ने कार्यक्रम की शुरूआत में ही उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रक्तदान केवल एक चिकित्सा प्रक्रिया नहीं, यह जीवन की डोर को मजबूती देने वाला कार्य है। एक यूनिट रक्त किसी की सांसें लौटा सकता है। हमें इस महान कार्य को केवल विशेष दिनों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि इसे जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। यह सेवा, त्याग और मानवता की सबसे सुंदर मिसाल है।

आयोजन की मुख्य संयोजिका डॉ. मधु शारदा ने कहा कि आज का दिन हमारे लिए सिर्फ एक शिविर का आयोजन नहीं है, बल्कि समाज में एक सकारात्मक सोच का संचार करने का अवसर है। जब युवा, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिक एक साथ सेवा के लिए आगे आते हैं, तो यह दशार्ता है कि हमारा समाज अभी भी करुणा और सहयोग से भरा हुआ है।

रक्तदान के स्वास्थ्य लाभों की जानकारी देते हुए डॉ. रॉबिन सिंह ने कहा ₹रक्तदान से न केवल दूसरों का जीवन बचाया जा सकता है, बल्कि यह दानकर्ता के लिए भी लाभदायक होता है। इससे शरीर में नया रक्त बनने की प्रक्रिया तेज होती है, रक्त संचार बेहतर होता है, और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा भी कम होता है। साथ ही यह मानसिक संतोष का अनुभव भी कराता है, जो आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अमूल्य है। इस आयोजन को सफल बनाने में अस्पताल प्रबंधक श्री गगनेन्द्र सिंह ब्लड बैंक की टीम, स्वयंसेवकों और कृष्णा जली सेवा परिवार का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम स्थल को सुसज्जित और सुरक्षित बनाया गया था, जहाँ रक्तदाताओं की स्वास्थ्य जांच, रजिस्ट्रेशन, और रक्त संग्रह की सम्पूर्ण व्यवस्था मौजूद थी।

शिविर में युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लिया। रक्तदान के बाद सभी रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र प्रमाण-पत्रऔर धन्यवाद स्वरूप स्वस्थ्यवर्धक पेय व फल भी वितरित किए गए।

इस आयोजन के माध्यम से कृष्णा हार्ट केयर एंड मैटरनिटी ब्लड बैंक, ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि ₹रक्तदान है जीवनदान। आइए, हम सब मिलकर हर बूंद से उम्मीद का दीप जलाएं। कृष्णा हार्ट केयर एंड मैटरनिटी ब्लड बैंक, का यह प्रयास स्वास्थ्य और समाज सेवा की दिशा में एक प्रेरक कदम है, जो आने वाले समय में और अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करेगा।

कलयुगी मां ने दूसरे पति के साथ मिलकर की अपने ही चार साल के बेटे की हत्या

मीरगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पहले पति से अनबन के बाद दूसरी शादी करके गोधना में किराये के मकान मे रह रही महिला ने दूसरे पति के साथ मिलकर चार साल के बेटे की हत्या कर दी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बरावां निवासी अहमद अली की बेटी रेशमा की शादी वाहिद अली पुत्र अजीज निवासी चितईपुर प्रतापगढ़ से पांच साल पहले हुई थी,उसके पास एक बच्चा भी था। पति पत्नी में अनबन होने के कारण दोनों अलग- अलग रह रहे थे। इसी बीच दोनों ने शादी भी कर ली। रेशमा जगदीशपुर निवासी अतीक पुत्र शब्बीर के साथ शादी कर, इन दिनों गोधना मे किराये के मकान मे रह रही थी। सोमवार की सुबह वह अचानक अपने मृत पुत्र इलियास (05) को लेकर मायके बरावां पहुंच गई। बच्चे की मौत की सूचना मिलने पर उसके पहले पति अजीज ने पुलिस कन्ट्रोल रूम में फोन कर- के घटना की जानकारी दे दी। उसने अपने बेटे इलियास की हत्या का आरोप रेशमा और उसके पति अतीक पर लगाया।सूचना मिलने पर मीरगंज थानाध्यक्ष विनोद अंचल मौके पर पहुंच गए और शव को कब्जे में ले लिया। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चे के गले मे निशान देखा जा रहा है, ऐसे में गला दबाकर हत्या करने की आशंका व्यक्त की जा रही है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मामले का खुलासा होगा। पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्राम प्रधान पति बरावां छेदी अंसारी ने बताया की रेशमा की शादी पांच साल पहले हुई थी। अब वह दूसरे पति के साथ रह रही थी। थानाध्यक्ष विनोद अंचल का कहना है कि बच्चे की मौत हुई है। आरोप है कि उसकी मां और उसके दूसरे पति ने मिलकर हत्या की है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता लगेगा।

बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार युवक की हुई मौत

मुहम्मद आरिफ, लालगंज,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। देवगांव कोतवाली क्षेत्र के पकड़ी खुर्द गांव के सैयद बाबा स्थान के समीप चिरकिहिट कि तरफ से जा रही बोलेरो ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार नगेंद्र यादव उम्र 32 वर्ष पुत्र संतु यादव निवासी पकड़ी खुर्द गंभीररूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल को संयुक्त सौ शैय्या चिकित्सालय लालगंज लाया जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंचे ग्रामीण शव को घर ले जाने के लिए अड़े रहे। काफी मशक्कत के उपरांत पुलिस से अड़े रहे मौके पर पहुंचे सपा सांसद दरोगा सरोज के आग्रह पर पुलिस ने शव को परिजनों से घर ले जाकर मिलवाया। तत्पश्चात मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेजा गया। वही मौके से बोलेरो का चालक फरार हो गया। पुलिस ने बोलेरो को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही में जुट गई। मृतक के पास एक पुत्र 5 वर्ष एवं एक पुत्री 2 वर्ष की हैं मृतक चार भाई बहनों में सबसे छोटा था।

सेवा, गुणवत्ता और उपभोगता के हर पहलू में बेहतरी का प्रतीक वन इंडिया फैशनः बंटी सिंह

◆ 1 इंडिया फैमली मार्ट का हुआ री लांचिंग, अब 1 इंडिया फैशन

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। देश भर में फैशन रिटेल क्षेत्र में अपनी खास पहचान बना चुके 1 इंडिया फैमली मार्ट ने अब एक नए रूप में कदम बढ़ाया है।उपभोगताओं की बढ़ती जरूरतें और उनकी खरीददारी को और अधिक सुविधाजनक आकर्षक और लाभदायक बनाने के उद्देश्य से 1 इंडिया फैमली मार्ट अब 1 इंडिया फैशन बन गया है। रविवार की देर शाम उक्त मार्ट का री लांचिंग नगर पालिका परिषद शाहगंज के की चैयरमैन रचना सिंह के प्रतिनिधि व पति वीरेंद्र सिंह बंटी ने फीता काटकर उद्घाटन किया।ततपश्चात दीप प्रज्वलित किया।उक्त मौके पर वीरेंद्र सिंह बंटी ने कहा की यह परिवर्तन केवल नाम का नही बल्कि सेवा गुणवत्ता और उपभोगताओं के अनुभव के हर पहलू में बेहतरी के प्रतीक है।नगर के लिए यह बहुत अच्छी बात है की जो लोग बाहर खरीददारी करने जाते थे।अब उनको बाहर न जाकर एक ही छत के नीचे सारे सामान उपलब्ध होंगे।वहीं मार्ट के इंचार्ज सूर्या बिंद ने कहा की हमारी नई पेशकश में पचास हजार से भी अधिक फैशन कलेक्शन उपलब्ध है।जिसमे ट्रेंडी कपड़े, एसेसरीज और फैमली शॉपिंग के लिए हर आयु वर्ग के लिए उपयुक्त विकल्प मौजूद है।इस अवसर पर मार्ट के एरिया मैनेजर, वरिष्ठ सभासद मकसूद हसन,सभासद गणेश चौहान, अख्तर फारूकी उर्फ अप्पू,आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

जौनपुर में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से आम बीन रही किशोरी की मौत, दूसरी घायल

रियाजुल हक, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। घनश्यामपुर बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के खजुरन गांव में आम बिन रही एक किशोरी छात्रा की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई जबकि दूसरी किशोरी झुलसने से घायल हो गयी। घटना रविवार अपराहन की है। जनपद सुल्तानपुर के कोतवाली चंदा क्षेत्र अंतर्गत सफीपुर लौना गांव निवासी धीरेंद्र गौतम की पुत्री अनामिका 14 वर्ष बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खजुरन निवासी अपने मामा उमाशंकर गौतम के घर आयोजित 13 जून को एक शादी समारोह में शामिल होने आई थी। उमाशंकर के घर ही महाराजगंज थाना क्षेत्र के ग्राम मीरापुर निवासी रामनयन गौतम की पुत्री अंकिता 14 वर्ष शादी में शामिल होने के लिए अपने बुआ के घर आई हुई थी। तेज हवा व बारिश के दौरान अनामिका व अंकिता दोनों बगीचे में आम बिनने के लिए पहुंच गई। तेज गरज के साथ आकाशी बिजली की चपेट में आने से अंकिता एवं अनामिका दोनों झुलस गई। आनन-फानन में उन्हें एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बदलापुर लाया गया। जहां डॉक्टरों ने अनामिका को मृत घोषित कर दिया। अंकिता 16 वर्ष को प्रथम उपचार करने के बाद छोड़ दिया गया। अनामिका कक्षा आठ तथा अंकिता कक्षा दस की छात्रा हैं। इसी क्रम में ग्राम रूपचन्द्रपुर में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक भैंस की भी मौत हो गई है।

नीट यूजी में कुबा इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा ने हासिल की सफलता

दो वर्षों से लगातार नीट यूजी में कुबा की छात्रा बन रही डॉक्टर

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सच्ची लगन और परिश्रम का सही तरीके से समावेश हो तो हर मंजिल आसान हो जाती है। कुछ इसी तर्ज अपने सपने को साकार करने वाली कुबा इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा अमतुररहमान ने नीट में सफलता पाकर लगातार दूसरे वर्ष अपने स्कूल का नाम रोशन किया है।पिछले वर्ष अमतुल्ला ने यह मुकाम हासिल किया था। अमतुररहमान कुबा इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधक मौलाना अबरार अहमद नदवी की बेटी है। उन्होंने बताया कि बेटी पूरी शिद्दत से मेडिकल परीक्षा की तैयारी में जुटी रही। उनकी मेहनत रंग लाई और यह सफलता मिली है। बेटी ने रहमानी थर्टी से नीट की कोचिंग लेकर नीट परीक्षा में प्रतिभाग किया और 534 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक में 21413वां और कैटिगरी रैंक 8717 प्राप्त किया है। अमतुररहमान ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार व उस्ताद को देते हुए कहा कि उनके प्रोत्साहन और सही मार्गदर्शन से ही यह संभव हो पाया है।

शाहगंज में ईद-ए-गदीर के अवसर पर सबील लगाई गई

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मानव सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बड़ा गाँव पंजे शरीफ दरगाहे मौला अली पर विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सबिल के माध्यम से नाश्ता जलपान की व्यवस्था प्रदान की गई। जिसमें ट्रस्ट के सभी सदस्य अंत तक सेवादारी करते रहे। कार्यक्रम में ट्रस्ट के संस्थापक एव अध्यक्ष हुसैन हैदर खान की अध्यक्षता तथा मौलाना आरजू आबदी व मौलाना आजमी अब्बास मौलाना एजाज के संरक्षण में संपन्न हुआ। इस मौके पर मोहम्मद हसीब, शबी हैदर, धर्मेंद्र कुमार प्रधान, अब्बास, विवेक यादव, आसिफ मास्टर, शमसुल एडवोकेट, समीर खान, राहुल राज, गुलाम अब्बास, मुहम्मद सिबलू खान सहित टीम के सभी सदस्यों कार्यकताओं के कुशल नेतृत्व द्वारा सेवादारी का कार्यक्रम सफल रहा। प्रोग्राम का संपूर्ण कार्य व्यवस्था मो लारैब, ताबिश खान और सबिह हैदर खान आदि का रहा।

एआईएमआईएम का पहला राज्यस्तरीय अधिवेशन लखनऊ में सम्पन्न

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। एआईएमआईएम का पहला राज्यस्तरीय अधिवेशन गाँधी भवन लखनऊ में संपन्न हुआ।अधिवेशन में पूरे प्रदेश के पदाधिकारियों ने शिरकत की। वहीं जौनपुर इकाई के सैकड़ों की संख्या में पदाधिकारी जिलाध्यक्ष इमरान बंटी के नेतृत्व में लखनऊ अधिवेशन में सम्मिलित हुए। अधिवेशन को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष इमरान बंटी ने कहा कि एआईएमआईएम मुस्लिम सहित दबे कुचले हुए समाज के उत्थान तथा समाजिक- राजनीतिक भागेदारी के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी दलों ने मुस्लिम समाज को ठगने का काम किया। समाजवादी पार्टी व कांग्रेस जैसे दलों ने मुस्लिम समाज को सिर्फ वोट की मशीन बना कर रखने का काम किया। जाति जनगणना की बात करने वाले दल अपने ही दल में आबादी के अनुसार मुस्लिम समाज को टिकट का वितरण नहीं करते हैं। जिस कारण मुस्लिम समाज मुख्य धारा से लगातार पिछड़ता चला जा रहा है। ये दल लोकसभा, विधानसभा तो दूर मुस्लिम समाज को देश के सबसे छोटे पंचायत जिला पंचायत में भी मुसलमानों की भागेदारी सुनिश्चित नहीं करते। उन्होंने कहा कि जौनपुर सदर विधानसभा मुस्लिम बाहुल्य विधानसभा है। और उस विधानसभा के जिला पंचायत में मुस्लिम प्रतिनिधित्व शून्य था। एआईएमआईएम 2021 में हुए जिला पंचायत चुनाव को पहली बार लडी तथा एक मुस्लिम प्रत्याशी तथा इक दलित प्रत्याशी सफल हुआ। उन्होंने कहा कि आगामी जिला पंचायत चुनाव में बिना एआईएमआईएम के सहयोग से कोई भी जिला पंचायत अध्यक्ष नहीं बन पाएगा। अधिवेशन में जौनपुर इकाई के मुख्य रूप से जिला महासचिव इरशाद अहमद, जिला सचिव केडी अन्सारी, जिला संयुक्त सचिव मुरारी दुबे, कोषाध्यक्ष कलीम हाशमी,मीडिया प्रभारी बख्तियार आलम, अमीरुद्दीन, शहंशाह खान,आशाद खान, हुजैफा, मोहम्मद कैश, कमलेश गौतम, अम्लेश राजभर, शाहआलम, मोहम्मद राशिद, कासिम, सलाहुद्दीन, शहजादे अन्सारी, अजीम सल्ली मुख्य रूप से मौजूद रहे।

ईदे गदीर के मौके पर आमाल व महफिल का कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

नगर के बेहतरीन शायरों ने अपना-अपना कलाम किया पेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के बलुआघाट स्थित हाजी मोहम्मद अली खाँ मरहूम के इमामबारगाह में ईदे गदीर का आमाल मौलाना अली अब्बास साहब ने करवाया उसके बाद महफिल का आयोजन हुआ जिसमें नगर के बेहतरीन शायरों ने अपना अपना कलाम पेश किया। तत्पश्चात उन सभी शायरों को पुरुस्कार दे कर सम्मानित किया गया। ईदे गदीर के पाक दिन शहर में रौशनीयों, खुशियों और मोहब्बत के पैगाम से भर दिया और घर घर मिठाईयों और सेवइयों से दास्तरख्वान सजते नजर आये रिश्तेदारों और पड़ोसियों के बीच मुबारकबाद का आदान प्रादान हुआ। इस कार्यक्रम के व्यवस्थापक (समाचार पत्र) के शब्बीर हैदर अम्मार ने किया जशने ईदे गदीर के अवसर पर शहर के मशहूर शायरों ने अपने-अपने गैर तरही कलाम को अपने-अपने खूबसूरत अंदाज में पेश किया इसके बाद मौलाना अली अब्बास साहब ने ईदे गदीर का आमाल करा कर खुशी का इजहार किया। आप को बताता चलू की जशने ईदे गदीर व आमाल सन 2009 में मरहूम अली हुसैन (भईया) पुत्र मरहूम इश्तियाक हुसैन ने अकेले इसकी शुरूआत की थी मरहूम अली हुसैन (भईया) के सन 2015 में इंतेकाल हो जाने के बाद से जशने ईदे गदीर के अमाल और महफिल के प्रोग्राम को उनके छोटे भाई अम्मार के द्वारा आज भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है जिसमें सैकड़ो की संख्या मे लोग शिरकत करते है।मरहूम अली हुसैन (भईया) के छोटे भाई अम्मार से वार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि यह प्रोग्राम मेरे बड़े भाई ने कायम किया था इसलिए और जशने ईदे गदीर हमारी कौम के लिए ईद से बड़ी खुशी का दिन है इस दिन इस्लाम धर्म के प्रवर्तक हजरत मोहम्मद स.अ. ने अपने उत्तराधिकारी का ऐलान किया था इसदिन गरीबो को भोजन कराना चाहिए और नए नए वस्त्र धारण करना चाहिए लोगों को बधाईयाँ देना चाहिए।इसलिए हम सभी जशने ईदे गदीर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं और आगे भी इसी तरह मनाते रहेंगे।बच्चों ने नये नये वस्त्र पहनकर जश्न मनाया और बड़ो से मिली ईदी ने उनके चाहरों पर मुस्कान और भी बढ़ा दी इस अवसर पर मिर्जा जमील, राजेश, रूबी, शानू, जावेद, नौशी, नफीस, कैफी, रूमी, नजफ, प्रिंस, सोनू, सूरज, मुन्ना, अब्बास, खुर्रम, जिम्मी, राजन, जीशान, पत्रकार रियाजुल, अजमत अली आदि लोग गदीर के मौके पर उपस्थित रहे और सभी को ढेरों बधाईयाँ दी।

یسریٰ حکیمی دواخانہ
Regd.No20230048
युसरा हकीमी दवाखाना
हमारी कोशिश, आपका विश्वास...
उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है ।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज
मंगलवार बंदी बाक़ी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
Mob.: 9198443844, 8960275665
नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज किया जाता है ।
अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक
सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा।
पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

शाहगंज व खुटहन की संयुक्त पुलिस टीम के साथ हुई मुठभेड़ में 6 आरोपी गिरफ्तार

◆ शाहगंज के निजामपुर में ग्राहक सेवा केंद्र पर लूट काण्ड

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज व खुटहन की संयुक्त पुलिस टीम के साथ हुई पुलिस मुठभेड़ में दो को लगी गोली, घायल अवस्था में भेजा गया अस्पताल, आरोपियों के कब्जे से 04 तमंचा .315 बोर, 06 खोखा कारतूस.315 बोर, 2 जिन्दा कारतूस. 315 बोर, लूट का लैपटॉप व घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद।दिनांक- 06.06.2025 को थाना शाहगंज क्षेत्र अंतर्गत निजमापुर में अरबाब टूर एंड ट्रेवल्स /ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक मो0 सऊद पुत्र मो0 तौफीक निवासी कौड़ियां थाना शाहगंज जौनपुर प्रतिदिन की भांति अपनी दुकान पर दुकान खोलकर साफ सफाई कर रहे थे कि अचानक अज्ञात आरोपीगण उन्हें असलहा के साथ डरा धमका कर उन्हें गोली मारते हुए उनके दूकान से लैपटॉप लेकर चले गए थे।

जिसके सम्बन्ध में आवेदक मो0 सऊद पुत्र मो0 तौफीक निवासी कौड़ियां थाना शाहगंज जनपद जौनपुर के लिखित तहरीर के आधार पर 04 अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मु0अ0सं0 193/2025 धारा 309(6) भारतीय न्याय संहिता 2023 का मुकदमा पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक जौनपुर, द्वारा इस दुस्साहसिक घटना में सम्मलित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु सख्त निर्देश दिये गये एवं टीमों का गठन कर लगाया गया। पुलिस टीम द्वारा आज कार्यवाही करते हुए घटना से सम्बन्धित सभी 06 आरोपियों को नायरा पेट्रोल पंप से आगे खुटहन रोड़ पर पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया। मुठभेड़ के दौरान 02 आरोपियों को गोली लगी है।जिन्हें घायल अवस्था में इलाज हेतु अस्पताल भेजा गया है। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

घायल/गिरफ्तार आरोपियों का नाम पताः 1.रोबिन कुमार पुत्र राजेश कुमार निवासी मिलौली थाना तहबरपुर जनपद आजमगढ। (घायल)2.राजमन कुमार उर्फ राज पुत्र सतिराम निवासी मीरपुर थाना निजामाबाद जनपद आजमगढ। (घायल) 3.शिवांग सिंह पुत्र धर्मराज निवासी दडवां थाना निजामाबाद जनपद आजमगढ। 4.शिवम सिंह पुत्र अम्बेश कुमार सिंह निवासी जानकीपुरम थाना जानकीपुरम जनपद लखनऊ। 5.राजन कुमार उर्फ राज पुत्र बृजेश गौतम निवासी हरईया थाना कप्तानगंज जनपद आजमगढ।6.रिंकू कुमार उर्फ प्रिंस पुत्र स्व0 लल्लन राम निवासी हरईया थाना कप्तानगंज जनपद आजमगढ।

आपराधिक इतिहास, 1.मु0अ0स0-0193/2025 धारा-310(2),317(3) भारतीय न्याय संहिता 2023 थाना शाहगंज जौनपुर। 2.मु0अ0स0-208/2025 धारा-109(1) भारतीय न्याय संहिता 2023 व 3/25/27 आर्म्स एक्ट थाना शाहगंज जौनपुर।

बनारस से अयोध्या ई-अटल बस कराएगी दर्शन

वाराणसी (उत्तर शक्ति)। वाराणसी से अयोध्या के बीच शुरू होगी ई-अटल बस सेवा । रूट का सर्वे करा लिया गया है। इसके साथ ही प्रयागराज और विंध्याचल के लिए भी ई-बसें संचालित होगी। विंध्याचल में ई-चार्जिंग स्टेशन बनकर तैयार भी है। ई-अटल योजना के तहत हर रीजन को 40 सीटर की ई-बसें मिल रही हैं। प्रयागराज और लखनऊ से तो ई-बसें संचालित भी हो रही हैं। रोडवेज अधिकारियों के अनुसार काशी से अयोध्या के बीच पर्यटकों की आवाजाही बढ़ रही है। साधारण और जनरथ एसी बसें संचालित हो रही हैं। वहीं, अब ई-अटल बस सेवा भी शुरू होनी है। पहले चरण में पांच ई-बसें वाराणसी परिक्षेत्र को मिलने वाली हैं। एक बार में चार्ज होकर यह बसें 250 किमी की दुरी तक चलने में सक्षम है।

श्री नरसिंह के दुबे चॅरिटेबल ट्रस्ट द्वारा समावर्तन 2025 टोकन ऑफ ग्रैटिट्यूड कार्यक्रम संपन्न

प्रेम चंद मिश्रा

नालासोपारा (उत्तर शक्ति)। श्री नरसिंह के दुबे चॅरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल द्वारा 14 जून 2025 को मीरा रोड स्थित लता मंगेशकर नाट्यगृह में बीएएमएस 2019 बैच में शामिल हुए विद्यार्थियों के सम्मान में ₹समावर्तन 2025 - टोकन ऑफ ग्रैटीट्यूड₹ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान धन्वंतरि की पूजा, स्तवन और स्वागत नृत्य के साथ हुई। उसके बाद डॉ. सर्वेश शर्मा ने सभी विद्यार्थियों को चिकित्सा के प्रणेता ₹महर्षि चरक₹ की शपथ दिलाई। शपथ का मुख्य अर्थ है ₹मुझे राज्य नहीं चाहिए, मुझे स्वर्ग नहीं चाहिए, मुझे मोक्ष नहीं चाहिए, मैं केवल विभिन्न रोगों से ग्रस्त रोगियों के रोगों को ठीक करना चाहता हूं।₹ यह शपथ निस्वार्थ सेवा, करुणा और सहानुभूति, नैतिक व्यवहार, रोगी-

केंद्रित दृष्टिकोण के प्रमुख सिद्धांतों पर जोर देती है। संस्था के विश्वस्त एवं स्त्रीरोग प्रसूती तंत्र विभाग प्रमुख डॉक्टर ऋजुता ओमप्रकाश दुबे इन्होने अपने प्रास्ताविक मे कहा कि, जिन विद्यार्थियों ने अभी-अभी अपनी इंटर्नशिप पूरी की है तथा बीएएमएस की डिग्री प्राप्त की है, उन्हें उनके परिजनों से मिलवाने, उनकी उपलब्धियों से उन्हें सम्मानित करने तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

संस्था के अध्यक्ष जयप्रकाश दुबे, संस्था के सचिव तथा महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश दुबे तथा मुख्य अतिथि कामेश्वर दुबे, डायरेक्टर, ईएसआईसी (श्रम मंत्रालय, भारत), पूर्व वायुसेना, एमबीए में गोल्ड मेडलिस्ट, एलएलबी में गोल्ड मेडलिस्ट, एमकॉम में रीजनल टॉपर, साइबर लॉ में गोल्ड मेडलिस्ट इन्होने सभी विद्यार्थियों को प्रशंसा पत्र तथा चरक शपथ की प्रतियाँ देकर सम्मानित किया। महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश दुबे ने अपने भाषण में चरक शपथ की महिमा का वर्णन किया तथा विद्यार्थियों को अपने अध्ययन के दौरान महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा प्रदान किए गए ज्ञान तथा विद्वत्ता का पूर्ण उपयोग कर अपने व्यक्तिगत जीवन के साथ ही उत्कृष्ट समाज सेवा करने के लिए बताकर उनके सफल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कामेश्वर दुबे ने विद्यार्थियों को बताया कि आयुर्वेद की डिग्री प्राप्त करने के पश्चात सरकार में विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं तथा उनके बारे में विस्तृत जानकारी देकर उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने यह भी कहा कि जो मिला है, उसे दुनिया को देना सीखें।

इस बैच के विद्यार्थियों की यादों को ताजा रखने के लिए ₹रिफ्लेक्शन 2025 नामक पत्रिका बनाई गई, जिसका विमोचन मुख्य अतिथि कामेश्वर दुबे इनके द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में कॉलेज की प्राचार्या डॉ. हेमलता शेंडे, सभी शिक्षकगण और विद्यार्थी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन छात्रा मिताली चव्हाण और सुप्रिया शुक्ला ने किया। डॉ. सायली सावजी और डॉ. मिथिलेश यादव इन्होने कार्यक्रम का संचालन करते हुए अंत मे सभी का आभार प्रदर्शन किया ।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट और उपजिलाधिकारीके न्यायालय का पांच दिनों से बहिष्कार जारी

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट और उपजिलाधिकारी(न्यायिक)के न्यायालय का विगत पांच दिनों से बहिष्कार जारी है।ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के वार्ता प्रस्ताव पर सोमवार को अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष हुबेदार पटेल की अध्यक्षता में साधारण सभा की बैठक हुई।वार्ता प्रस्ताव के मुद्दे पर अधिवक्ता संघ की सहमति बनने पर मंगलवार को दोनों अधिकारियों से वार्ता होगी। अधिवक्ता संघ की बैठक में एजेंडा भी तय किया गया।दोनों अधिकारियों की कार्य प्रणाली से असंतुष्ट अधिवक्ता 11 जून से दोनों न्यायालयों का न्यायिक कार्य ठप्प कर दिया है जो सोमवार को भी जारी रहा।बैठक में महामंत्री नन्द लाल, दिनेश चंद्र सिन्हा,केदार नाथ यादव, हरि नायक तिवारी,सतीश कुमार,इंदू प्रकाश सिंह ,आलोक विश्वकर्मा,राम आसरे द्विवेदी,राज कुमार पटवा,बाबू राम,हरि शंकर यादव,कुंवर भारत सिंह,प्रेम बिहारी यादव,विरेंद्र मौर्य,रमेश चंद्र,कमलेश कुमार,अभिषेक सिंह आदि उपस्थित रहे।संचालन महामंत्री नंदलाल यादव ने किया।

जौनपुर : घर में अकेली रह रही महिला को पड़ोसी मनबढ़ कर रहे परेशान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के सराय पोख़्ता चौकी अंतर्गत मोहल्ला अहमद खां मंडी निकट शैल शिक्षा मंदिर की रहने वाली अर्चना मौर्या ने आरोप लगाया है कि वह उक्त क्षेत्र में कच्चा मकान टीन सेड डालकर अपना जीवन यापन कर रही है। जिसमें किसी का कोई हस्तक्षेप नहीं है। परन्तु मोहल्ले के कुछ मनबढ़, दबंग किस्म के व्यक्ति आय दिन प्रार्थिनी को मात्र परेशान करने के इरादे से प्रार्थिनी के टिन सेट के सामने पेशाब आदि के साथ साथ, अश्लील हरकत करते रहते है। यहां तक की इन दबंगों के बच्चे जब किकेट खेलते है। तो गेंद आने पर प्रार्थिनी को गांली देकर मांगते है। उक्त प्रकरण से प्रार्थिनी व प्रार्थिनी के परिवार के सदस्य काफी परेशान हो गये है। घटना दिनांक 10.06.2025 समय लगभग 8.30 बजे शाम की है।मोहल्ले में दबंगों के बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे अचानक बाल प्रार्थिनी के टीनसेड़ पर आ गया जिसको गांली गुप्ता देते हुए आरोपी मांगने लगे जब प्रार्थिनी ने इसका विरोध किया तो वह सब एक राय होकर गोलबंद होकर 40 से 50 की संख्या में भीड़ इक?ट्ठा करके प्रार्थिनी के टिनसेड पर हमला कर दिये। जहाँ प्रार्थिनी व प्रार्थिनी के पति श्यामलाल मौर्या व देवर कन्हैयालाल मौर्या व प्रार्थिनी का पांच साल का बच्चा सिध्दार्थ मौर्या उपस्थित थे। पति और देवर से मार-पीट करने लगे गांली गलौज देने लगे प्रार्थिनी का मंगल सूत्र भी छिनने का प्रयास किए जब प्रार्थिनी द्वारा शोर किया गया तो उक्त मुल्जिमान टिन सेट से बाहर आकर पत्थर फेकने लगे जो आज भी मौके पर पड़ा हुआ है।मुल्जिमान प्रार्थिनी के देवर कन्हैयालाल की गाड़ी सुपर स्प्लेंडर को पत्थर से मारमार के तोड़ दिये। प्रार्थिनी ने घटना की सूचना तत्काल बीट प्रभारी सौरभ यादव को दिया जो की तत्काल मय आरक्षी मौके पर आये जिससे प्रार्थिनी व प्रार्थिनी के परिवार वालो की जान बची। प्रार्थिनी ने अगले दिन लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र थानाध्यक्ष कोतवाली को दिया जहा उल्टा मुल्जिमान द्वारा प्रार्थिनी को फर्जी एस०सी०एस०टी० के मुकदमा में फंसाने की धमकी दी जाने लगी। और थाना स्तर से घटना पर कोई उचित कार्यवाही नहीं किया गया और न ही विवेचना किया गया और न ही मौका सबूत कैमरा रिकार्डिंग को चेक किया गया है।

ऐसे में जब शहर कोतवाली क्षेत्र में एक महिला की सुनवाई नहीं हो रही है तो इसका अंदाजा अपने आप लग जाता है कि जिले में दूर क्षेत्र में क्या हाल होगा आखिर पुलिस प्रथम दृष्टया किसी भी समस्या को सुलझाने में इतनी असफल क्यों रहती है जबकि आए दिन जिले में बड़ी सी बड़ी घटना देखने और सुनने को मिलती रहती है।

फांसी से लटका मिला पोस्टमास्टर का शव

महाराजगंज। स्थानीय अनुमंडल क्षेत्र के गोरिया कोठी सहायक पोस्ट ऑफिस की पोस्टमास्टर विजय मांझी का सॉन्ग कार्यालय कक्ष में फांसी से लटका पाया गया एक्स. इसकी सूचना स्थानीय लोगों ने गोरिया कोठी थाना पुलिस व महाराजगंज के एसडीपीओ राकेश रंजन को दी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिवान सदर अस्पताल भेज दिया है। पोस्टमास्टर महाराजगंज थाना क्षेत्र के हहवा निवासी स्व रामचंद्र मांझी का पुत्र विजय मांझी बताया जाता है ।वहीं घर व ग्रामीणों का कहना था कि विजय माझी सोमवार के सुबह आठ बजे घर से खाना खाकर गोरिया कोठी को निकले थे. वहीं महाराजगंज के एसडीपीओ राकेश रंजन ने बताया कि मृतम दृष्टया पोस्ट मास्टर की मृत्यु की बारे में कुछ कहना जल्दी बाजी होगी. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद व विभागीय रिपोर्ट और पारिवारिक बयानों के बाद कुछ कहा जा सकता है।

रोहनियां में 1.13 करोड़ से बनेगी सड़क, विधायक के द्वारा किया गया शिलान्यास

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)।जनपद के रोहनियां विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कंदवा के घमहापुर में रविवार को 113.124 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सीसी रोड परियोजना का शिलान्यास किया गया। फिल्म सिटी स्टूडियो से एनवी सिंह के आवास तक 800 मीटर लंबी इस सड़क का निर्माण कार्य रोहनिया विधायक व अपना दल (एस) के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ.सुनील पटेल ने विधिवत हवन-पूजन के साथ प्रारंभ कराया। इस अवसर पर विधायक ने सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और क्षेत्रीय विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सड़क, बिजली, जल और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार काम हो रहा है। जिससे क्षेत्र की तस्वीर बदल रही है। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष एवं एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, पार्षद सुशीला देवी के प्रतिनिधि गोपाल पटेल, जिला महासचिव व कार्यालय प्रभारी राजकुमार वर्मा, जिला उपाध्यक्ष विनोद पटेल, श्यामबली पटेल, मंडल अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह, सुधीर वर्मा राजू, रामचंद्र गौतम, अजय विश्वकर्मा समेत कई गणमान्य कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जौनपुर में प्राइमरी स्कूल में चोरी

गौराबादशाहपुर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। प्राथमिक विद्यालय बंजारेपुर स्कूल में बीती रात अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर स्कूल की खिड़की तोड़कर विद्यालय में प्रवेश किया और कई जरूरी सामान चुरा लिए। चोरी की इस वारदात से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, चोर स्कूल से बच्चों की किताबें, शिक्षण सामग्री, पुराने अभिलेख और बच्चों के बर्तन तक उठा ले गए। सुबह जब स्कूल के प्रधानाध्यापक अश्वनी राय स्कूल पहुँचे, तो खिड़की टूटी मिली और कमरों का सारा सामान बिखरा हुआ था। प्रधानाध्यापक ने बताया, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। स्कूल में बच्चों की पढ़ाई के लिए जरूरी सामग्री थी, जिसे चोरों ने निशाना बनाया है ।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

जमदहाँ ग्राम निवासी फराज सिद्दीकी ने NEET 2025 में 583 अंक हासिल कर गाँव का नाम किया रौशन

-मोहम्मद अफजल

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोधी शाहगंज के क्षेत्र जमदहाँ ग्राम निवासी फराज सिद्दीकी ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET) 2025 में 583 अंक हासिल कर न सिर्फ अपने परिवार बल्कि पूरे गांव का नाम रोशन कर दिया है। 18 वर्षीय फराज ने कठिन मेहनत और आत्मविश्वास से यह मुकाम हासिल किया, जिससे पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। फराज के पिता ने इस मौके पर कहा, मेरा बेटा बचपन से ही डॉक्टर बनने का सपना देखा करता था। उसने हमेशा लगन से पढ़ाई की और आज उसकी मेहनत रंग लाई है। हमने हमेशा उसे प्रोत्साहित किया और उसकी हर जरूरत को पूरा करने की कोशिश की। उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के संवाददाता से बातचीत में फराज का कहना था कि उसकी इस सफलता के पीछे सबसे बड़ा योगदान उसके पिता का है। मेरे अब्बा ने कभी मुझे निराश नहीं किया। जब भी मैं थकता या टूटता, उन्होंने मुझे सहारा दिया। उन्हीं की दुआओं और हौसले से आज मैं यहां तक पहुंचा हूं, फराज ने भावुक होते हुए कहा।

फराज ने NEET की तैयारी घर पर रहकर ही की और सीमित संसाधनों के बावजूद उसने जिस तरह का प्रदर्शन किया, वह अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। स्थानीय लोगों ने फराज को मिठाई खिलाकर और फूलों की माला पहनाकर उसका स्वागत किया। अब फराज का सपना एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर एक अच्छे डॉक्टर बनने का है, ताकि वह अपने गांव और देश की सेवा कर सके। फराज की इस उपलब्धि से यह साबित हो गया है कि अगर सच्ची लगन और मेहनत हो, तो छोटे से गांव से भी बड़े सपने पूरे किए जा सकते हैं। वही फराज के मामा बी एम हॉस्पिटल खेतासराय के संचालक डॉ सालिम ने शुभकामनाएं दी

जौनपुर में पुरानी रंजिश जमकर हुई मारपीट,पांच हुए गंभीर रूप से घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना जलालपुर क्षेत्र के सुरहूरपुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर रविवार को दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस घटना में दो महिलाओं सहित पांच लोग घायल हो गए। आरोपियों ने घर के बाहर तोड़फोड़ भी की। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने 11 लोगों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।गांव निवासी प्रेमशंकर चौबे ने बताया कि वह अपने घर से सिरकोनी बाजार सामान लेने जा रहे थे। रास्ते में पट्टीदार नागेंद्र चौबे अपने साथियों के साथ लाठी-डंडा व कुल्हाड़ी लेकर पहुंचे और हमला कर दिया। शोर सुनकर बीचबचाव करने पहुंचे उनके भाई अरुण चौबे व संजय चौबे को भी पीट दिया गया, जिससे उनके सिर फट गए। मारपीट में उनकी भाभी मीरा देवी व भतीजी रुचि चौबे को भी चोटें आईं।प्रेमशंकर का आरोप है कि हमलावरों ने उनके घर के सामने रखे पतरे को भी क्षतिग्रस्त कर दिया और इस घटना के दौरान उनकी सोने की चेन भी गायब हो गई। उन्होंने रविवार शाम थाने में तहरीर दी।थानाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह ने बताया कि प्रेमशंकर की तहरीर पर नागेंद्र चौबे, संतोष चौबे, सतीश चौबे, करूणा सागर, आकाश, सुरेन्द्र, सुनीता व चार अज्ञात लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस मामले की गंभीरता से विवेचना कर रही है।

स्कॉर्पियो से तीन पशु सहित महिला की कुचल कर हुई मौत

केराकत,जौनपुर(उत्तरशक्ति)।केराकत तहसील क्षेत्र के थानागद्दी चौकी क्षेत्र के मखदुमपुर गांव के चकरामनगर पुरवा में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने तीन गाभिन गाय,एक बछिया सहित एक महिला को कुचल दिया। तीन गायों व महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बछिया अंतिम सांस ले रही हैं।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक तीसरे पहर तीन बजे के बाद मनवापी देवी (50) गायों को चारा पानी कर रही थी। तभी स्कॉर्पियो टल्ल02उछ9009 तेज रफ्तार में लहराते हुए आई, व मनभावती सहित उनके पशुओं को कुचल दिया। मौके पर जुटी भीड़ ने ड्राइवर को पकड़ लिया,और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करते हुए,आरोपी ड्राइवर को हिरासत में ले लिया।

पैंथर का नया गाना मनवा रिलीज हुआ

पटनाः भारत के उभरते हिपहॉप सेंसेशन पैंथर एक बार फिर चर्चा में हैं, अपने नए रोमांटिक सिंगल ह्यमनवाह्न के साथ। यह गाना उनके अब तक के हार्ड-हिटिंग और सोच-विचार वाले रैप से बिल्कुल अलग है। इसमें यूपी की लोकबोली और ग्लोबल साउंड का सुंदर तालमेल देखने को मिलता है। मनवा को पैंथर ने खुद लिखा और प्रस्तुत किया है। इसका म्यूज़िक वीडियो थाईलैंड की खूबसूरत लोकेशनों पर फिल्माया गया है, जो युवा प्यार की मासूमियत, चुलबुलापन और गर्मियों की रूमानी फील को बखूबी दर्शाता है। पैंथर ने कहा, मनवा मेरे दिल के बहुत करीब है। मैं आमतौर पर सामाजिक मुद्दों और आत्मनिरीक्षण पर रैप करता हूं, लेकिन इस बार दिल की सुनना जरूरी था।

अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए करें वृक्षारोपण : डॉ अनील काशी मुरारका

मुंबई। वृक्ष हमारे लिए प्राणवायु (ऑक्सीजन) और जल प्रदान करते हैं, और वे जलवायु को भी नियंत्रित करते हैं। वृक्ष लगाने से हम पृथ्वी को प्रदूषण से बचा सकते हैं और एक स्वस्थ वातावरण बना सकते हैं। प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था एम्पल मिशन के चेयरमैन डॉ. अनील काशी मुरारका ने गोरेगांव हाईवे के पास स्थित श्मशान भूमि में वृक्षारोपण करने के बाद उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि वृक्ष लगाने से हम प्रदूषण को कम कर सकते हैं, जलवायु परिवर्तन को रोक सकते हैं, और मिट्टी के कटाव को भी रोक सकते हैं। वृक्ष पानी को सोख लेते हैं और जल स्तर को बनाए रखते हैं। ऑक्सीजन का वृक्ष ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं, जो हमारे जीवन के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा वृक्ष कई प्रकार के आर्थिक लाभ भी प्रदान करते हैं, जैसे कि लकड़ी, फल, और अन्य उत्पाद। वृक्ष हमें एक स्वच्छ और सुंदर वातावरण प्रदान करते हैं। यदि हम सभी मिलकर वृक्ष लगाएंगे, तो हम एक स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य बना सकते हैं। देश के नागरिकों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि कि आने वाले कल के भविष्य के सुंदर पल के लिए सभी देशवासी ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाएं ताकि आने वाले कल के भारत का भविष्य सुंदर और सुनहरा हो। वातावरण सुंदर हो तथा लोग स्वस्थ हों। इस मौके पर संस्था से जुड़े सैकड़ो की संख्या में पदाधिकारी मौजूद थे।

मसूरी की कालातीत सुंदरता का अनुभव क्लब महिंद्रा के ऑल-सूट रिसॉर्ट में करें

मसूरी। जिसे प्यार से 'पहाड़ों की रानी' कहा जाता है, के मनोरम दृश्यों के बीच बसा क्लब महिंद्रा का ऑल-सूट रिसॉर्ट आराम, शान, और प्राकृतिक सौंदर्य का एक अनूठा संगम है। देहरादून के जॉली ग्रांट हवाई अड्डे से मात्र 90 मिनट की दूरी और मॉल रोड की चहल-पहल से 8-10 किमी की छोटी यात्रा पर स्थित यह रिसॉर्ट हरी-भरी घाटियों, झरनों की मधुर ध्वनि, सूर्यास्त की लालिमा, और ताजा पहाड़ी हवा से घिरा हुआ है। चाहे आप हवाई मार्ग से आएं या देहरादून रेलवे स्टेशन तक की रमणीय रेल यात्रा का आनंद लें, रिसॉर्ट तक कार से आसानी से पहुंचा जा सकता है, यहां पर्याप्त पार्किंग और सुविधाजनक शटल सेवाएं उपलब्ध हैं। 82% की प्रभावशाली ऑक्युपेंसी दर और औसतन ढाई दिन के ठहराव के साथ, यह रिसॉर्ट परिवारों, जोड़ों, और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक शांतिपूर्ण और जीवंत पहाड़ी अनुभव का पसंदीदा ठिकाना बना हुआ है। रिसॉर्ट में 82 खूबसूरती से डिजाइन किए गए यूनिट्स हैं, जिनमें विशाल 2इल्ड और 1इल्ड सूट्स के साथ-साथ सोच-समझकर बनाए गए स्टूडियो आवास शामिल हैं। अधिकांश कमरों में निजी बालकनी है, जो हिमालय की भव्यता और देहरादून घाटी के शांत दृश्यों को आपके सामने लाती है। यह रिसॉर्ट ब्रिटिश औपनिवेशिक शैली की एक आकर्षक इमारत में स्थित है, जिसमें 50 रंग-बिरंगे कॉटेज हैं, जो मसूरी की समृद्ध स्थापत्य विरासत को दर्शाते हैं। यह अनूठा डिजाइन इसे क्षेत्र के सबसे खास और दृश्यात्मक रूप से मनमोहक गंतव्यों में से एक बनाता है।

यहां का भोजन एक स्वादिष्ट यात्रा है, जो बहु-व्यंजन बुफे से लेकर प्रामाणिक भारतीय व्यंजनों तक फैली हुई है। गढ़वाली थाली डिनर, कंडाली और मूंगरी के कबाब, भोक्ट्या मसाला मटन, काफुली का साग, और पहाड़ी चिकन जैसे व्यंजन मेहमानों को लुभाते हैं।

जियोहॉटस्टार पर 11 जुलाई से शुरू होगी डिजिटल जंग, हिम्मत सिंह की दमदार वापसी

मुंबई। जब दुश्मन परदे के पीछे छिपकर वार करता है और कोई आवाज नहीं होती, तब हालात को समझकर सुलझाने वाला बस एक ही शख्स होता है – हिम्मत सिंह। जियोहॉटस्टार ने अपनी बहुचर्चित सीरीज स्पेशल ऑप्स के दूसरे सीजन का धमाकेदार ट्रेलर लॉन्च कर दिया है, जिसमें असल मुद्दों को रोमांचक अंदाज में पेश किया गया है। केके मेनन एक बार फिर आरएंडएडब्ल्यू अधिकारी हिम्मत सिंह के किरदार में लौट रहे हैं। यह नया सीजन पहले से कहीं ज्यादा गंभीर, गहराई से भरा और अत्यावश्यक मिशन के साथ तैयार है। एक अस्थिर वैश्विक राजनीतिक

परिदृश्य में सेट स्पेशल ऑप्स 2 आज की बढ़ती सुरक्षा चिंताओं को उजागर करता है। युद्ध अब सीमाओं पर नहीं बल्कि क्लाउड में लड़े जा रहे हैं, और दुश्मन हमारी रोजमर्रा की ज़िंदगी में शामिल हो चुका है। जैसे-जैसे समन्वित साइबर हमले राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती देने लगते हैं, हिम्मत सिंह और उनकी विशेष टीम एक खामोश जंग में कूद पड़ती है–एक ऐसी लड़ाई जिसमें न तो कोई शोर है, न धुआं और न ही कोई साफ निशान, लेकिन असर पूरी तरह झकझोर देने वाला है।

शिवम नायर के निर्देशन में बनी इस सीरीज में प्रकाश राज, विनय पाठक, करण टैकर, सायमी खेर, मुजम्मिल इब्राहिम, गौतमी कपूर, परमीत सेठी और काली प्रसाद मुखर्जी जैसे बेहतरीन कलाकार शामिल हैं, जो स्पेशल ऑप्स 2 की दुनिया में गहराई और बारीकी लेकर आते हैं। अपनी भरोसेमंद टीम के साथ, हिम्मत एक ऐसे छिपे दुश्मन को रोकने की कोशिश करता है, जो कोई नियम नहीं मानता, कोई सुराग नहीं छोड़ता और हमेशा एक कदम आगे रहता है। ताहिर राज भसीन द्वारा निभाये गये नये खलनायक की भूमिका, वैश्विक स्तर की कहानी, पेचीदा साजिश और शानदार अभिनय के साथ, स्पेशल ऑप्स सीजन 2 ने 11 जुलाई को रिलीज के लिए एक रोमांचक माहौल बनाया है। इस बार, जंग हर जगह है। जियोस्टार के आलोक जैन ने कहा, स्पेशल ऑप्स 2 के साथ हमने रोमांचक, साहसिक और असरदार कहानियाँ पेश करने के अपने वादे को निभाया है। यह सीजन सिर्फ एक लोकप्रिय सीरीज की वापसी नहीं है, बल्कि मौजूदा साइबर खतरों और डिजिटल युद्ध के जटिल माहौल के लिए एक प्रासंगिक और सिनेमाई प्रतिक्रिया भी है।